राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण शनिवार 30 मार्च 2024 वर्ष-7,अंक-65 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

महागठबंधन की एकता पर सवाल: रैली पर एकमत है पर मुद्दे अलग अलग

नई दिल्ली। (एजेंसी)

महागठबंधन की एकता को लेकर शुरु से ही सवाल उठते रहे हैं। आपसी खींचतान के परिणामस्वरुप बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के विपक्षी दलों के एकजुटता वाले प्रयास पूरी तरह सफल नहीं हो पाए। अंततः माना गया कि उन्होंने इसी नाराजगी के चलते एनडीए से हाथ मिला लिया। इस तरह के मतभेद आज भी महागठबंधन में देखे जा सकते हैं। इसका उदाहरण 31 मार्च को दिल्ली के रामलीला मैदान में होने जा रही महागठबंधन की रैली को लेकर भी देखा जा रहा है। यहां कहने को आम आदमी पार्टी और कांग्रेस एक साथ रैली कर रहे हैं लेकिन दोनों के मुद्दे अलग अलग हैं। आप केजरीवाल की गिरफ्तारी के मुद्दे पर तो कांग्रेस लोकतंत्र को बचाने के मुद्दे पर रैली कर रही है।कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि अभी मुद्दे को लेकर सहमति नहीं बनी है। पार्टी के भीतर इस पर गंभीर चर्चा हो रही है। बुधवार को रैली को लेकर एआईसीसी में हुई बैठक में भी यह मुद्दा उठाया गया था। बैठक में कहा गया कि कांग्रेस को अपनी सीटों से मतलब रखना चाहिए। हो सकता है कि वर्तमान हालात से कांग्रेस को फायदा हो। इसलिए रैली में भी कांग्रेस को लीड लेनी होगी, अपने लोगों को झंडों के साथ रैली में आगे बैठने तक का सुझाव दिया गया, ताकि भीड़ में कांग्रेस की उपस्थिति दर्ज हो सके।बात यहीं खत्म नहीं हुई। गुरुवार को प्रदेश कांग्रेस में सोशल मीडिया की बैठक के दौरान भी इस पर चर्चा हुई और टीम को यह निर्देश दिया गया कि किसी भी तरह से दूसरे मुद्दे की बात नहीं होनी चाहिए। सिर्फ लोकतंत्र को बचाने को लेकर ही बीजेपी पर हमला हो। इसके बाद प्रदेश कांग्रेस की सोशल मीडिया द्वारा एक संदेश जारी किया गया, जिसमें लिखा गया कि लोकतंत्र की रक्षा और बीजेपी द्वारा संवैधानिक संस्थाओं के दुरुपयोग के लिए 31 मार्च को रामलीला मैदान में इंडिया अलायंस की विशाल रैली होगी।दिल्ली कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली की तरफ से जारी बयान में कहा गया कि इस रैली में इंडिया गठबंधन के प्रमुख नेता संबोधित करेंगे। यह लोकतंत्र को बचाने के लिए रैली है।

पहला कॉलम

आतिशी ने बताया केजरीवाल का फोन लेकर क्या देखना चाहती हैं ईडी

नई दिल्ली ।

आप नेता व कैबिनेट मंत्री आतिशी ने कहा कि राउज एवेन्यू कोर्ट में सीएम केजरीवाल की रिमांड पर बहस चल रही थी, तब ईडी के वकील ने अंजाने में ईडी के असली मोटिव को कोर्ट के सामने रख दिया। वकील ने कहा कि केजरीवाल को अभी कुछ दिन और रिमांड पर रखने की जरूरत है, क्योंकि केजरीवाल ने अपने फोन का पासवर्ड हमें नहीं बताया है। आतिशी ने कहा कि यह वहीं ईडी है जो यह कह चुकी है कि मुख्यमंत्री केजरीवाल का आबकारी नीति बनाए जाने के समय का फोन हमें नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि अब सवाल उठता है, जो फोन कुछ माह पुराना है, उस फोन को ईडी क्यों देखना चाहती है। मतलब साफ है कि कि ईडी उस फोन में क्या देखना चाहती है।उन्होंने कहा कि मैं बताना चाहती हूं कि ईडी के माध्यम से भाजपा उस रणनीति को देखना चाहती है कि चुनाव को लेकर केजरीवाल की क्या रणनीति है। वह देखना चाहती है कि केजरीवाल ने लोकसभा चुनाव को लेकर क्या रणनीति तैयार की है। किस तरह एक-एक सीट का सर्वे कराया है। विपक्षी गठबंधन के साथ मिलकर उन्होंने चुनाव को लेकर क्या तैयारी की है।

कैंसर निदान के लिए जनता में जागरुकता मुहिम चलाई जाए: राज्यपाल

जयपुर।

राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने कैंसर निदान के लिए आम जनता में जागरुकता मुहिम चलाने का आह्वान कर कहा कि कैंसर असाध्य रोग नहीं है, समय पर जांच और इसके प्रति जागरुकता से इस भयानक बीमारी से बचा जा सकता है। मिश्र ने साथ ही चिकित्सकों का भी आह्वान किया कि वे कृत्रिम मेधा (एआई) की मदद से क्लिनिकल डेटा के आधार पर कैंसर जैसे असाध्य रोग के निदान की दिशा में प्रभावी प्रयास करें। मिश्र ने भगवान महावीर कैंसर चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र द्वारा आयोजित 21वें कैंसर विजेता दिवस समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने ब्लड कैंसर, स्तन कैंसर, गर्भाशय कैंसर, मुंह एवं गले के कैंसर, फेफड़ों के कैंसर और प्रोस्टेट कैंसर की प्रारंभिक अवस्था में पहचान हेतु जांच के लिए लोगों को जागरुक करने के लिए अभियान चलाने पर जोर दिया। राज्यपाल मिश्र ने कहा कि जन-जन को इस रोग के प्रारंभिक लक्षणों के बारे में जानकारी दी जाए और यह मुहिम कैंसर जागरुकता दिवस पर ही नहीं बल्कि पूरे वर्ष चलनी चाहिए।

बीएसएफ ने अमृतसर में ड्रोन, हेरोइन बरामद

जालंधर।

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने अमृतसर जिले में एक पाकिस्तानी ड्रोन और एक किलो से अधिक हेरोइन बरामद की है। बीएसएफ प्रवक्ता ने बताया कि 28 मार्च 2024 को सतर्क बीएसएफ के सैनिकों ने सीमावर्ती क्षेत्र में अपने ड्यूटी पोस्ट के पास असामान्य आवाजें सुनीं। इसके बाद तेजी से कार्रवाई करते हुए, बीएसएफ जवानों ने संदिग्ध क्षेत्र में गहन तलाशी अभियान शुरू किया। खोज के दौरान, उन्होंने डौके गांव के पास एक खेत से एक छोटे क्वाडकॉप्टर ड्रोन (डीजेआई माविक 3) को बरामद कर लिया। प्रवक्ता ने बताया कि एक अन्य घटना में 28 मार्च 2024 को, बीएसएफ की खुफिया इकाई ने अमृतसर जिले के सीमावर्ती क्षेत्र में नशीले पदार्थ ले जा रहे दो अज्ञात व्यक्तियों की संदिग्ध गतिविधि की सूचना दी। उन्होंने कहा कि त्वरित प्रतिक्रिया देकर बीएसएफ के जवान घटनास्थल पर पहुंचे, लेकिन संदिग्ध भागने में सफल रहे। उनके भागने के बावजूद, बीएसएफ जवानों ने गहन तलाशी ली और शमशान घाट, गांव- नागालंब, जिला-अमृतसर के पास से एक पैकेट (कुल वजन-1.140 किलोग्राम) हेरोइन बरामद किया, जो भूरे रंग के चिपकने वाले टेप में लपेटा हुआ था।

कश्मीर का केसर, तमिलनाडु का मोती...

पीएम मोदी ने बिल गेट्स को दिए खास तोहफे

दार्जलिंग और नीलगिरी की चायपत्ती भी भेंट की

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने माइक्रोसॉफ्ट के फाउंडर बिल गेट्स से मुलाकात की। इस दौरान पीएम मोदी ने बिल गेट्स को वोकल फॉर लोकल का एक गिफ्ट हैंपर दिया, जिसमें अलग-अलग राज्यों के प्रोडक्ट्स शामिल थे। पीएम मोदी ने बिल गेट्स को पहले पोषण की किताबें दीं और फिर तमिलनाडु के मछुआरों द्वारा बनाई गई मोती तोहफे में दिया। इसके साथ ही पीएम मोदी ने बिल गेट्स को तमिलनाडु का फेमस आर्ट टेराकोटा गिफ्ट किया। इस मौके पर पीएम मोदी ने बिल गेट्स को टेराकोटा की खासियत बताकर कहा कि यह एक बहुत प्रचलित आर्ट है, जो विदेशों में भी मशहूर है। लोग इस तरह के आर्ट्स को अपने घरों और मंदिरों में भी लगाते हैं। तमिलनाडू के अलावा प्रधानमंत्री मोदी ने बिल गेट्स को कश्मीर की पशमीना शॉल दी और फिर कश्मीर का केसर भी गिफ्ट किया। पीएम मोदी ने बिल गेट्स को बताया कि इस वक्त वे देश में वोकल फॉर लोकल और वन डिस्ट्रिक्ट-वन प्रोडक्ट मूवमेंट चला रहा हूं। पीएम मोदी ने आखिर में बिल गेट्स को दार्जलिंग और नीलगिरी की चायपत्ती देकर कहा कि मैंने आपको देखा चाय पर चर्चा करते हुए। प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को कहा कि कृषि, स्वास्थ्य और शिक्षा ये तीन क्षेत्र हैं, जिसमें प्रौद्योगिकी बड़ी भूमिका निभा सकती है। माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक और विभिन्न परमार्थ कार्यों से जुड़े बिल गेट्स के साथ बातचीत में मोदी ने कहा कि वह दुनिया में डिजिटल विभाजन की बात सुनते थे और उन्होंने फैसला किया है कि भारत में ऐसा नहीं होने देगा। उन्होंने कहा, 'मैं डिजिटल विभाजन नहीं होने दूंगा, हम डिजिटल बुनियादी ढांचे को गांवों तक लेकर जाएंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार सर्विकल कैंसर के लिए कम से कम लागत में टीका विकसित करने के लिहाज से स्थानीय स्तर पर अनुसंधान के लिए वैज्ञानिकों को निधि आवंटित करना चाहती है और 'मेरी नई सरकार विशेष रूप से सभी लड़कियों के टीकाकरण के लिए काम करेगी।

जयशंकर के आमंत्रण पर नई दिल्ली पहुंचे यूक्रेन के विदेश मंत्री

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

भारत की अपनी पहली यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचे यूक्रेन के विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा ने कहा कि दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सहयोग महत्वपूर्ण है, इस आने वाले दिनों में मजबूत किया जाएगा। उनकी दो दिवसीय यात्रा दो साल से अधिक समय से जारी रूस-यूक्रेन युद्ध के शांतिपूर्ण समाधान के प्रयासों के बीच हो रही है। कुलेबा ने पोस्ट किया, मैंने विदेश मंत्री एस जयशंकर के आमंत्रण पर नई दिल्ली की अपनी यात्रा शुरू की। यूक्रेन-भारत सहयोग महत्वपूर्ण है और हम संबंधों को और मजबूत करने पर जोर दे रहे है। राष्ट्रपति जेलेंस्की और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच बातचीत के आधार पर, हम शांति फॉर्मूला पर विशेष रूप से ध्यान केंद्रित कर रहे है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि कुलेबा की यात्रा विदेश मंत्री जयशंकर के आमंत्रण पर हो रही है। अपनी आधिकारिक यात्रा के पहले दिन कुलेबा ने यहां राजघाट का दौरा किया और महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

जम्मू-कश्मीर में पहली बार पुलिस ले रही आर्मी से ट्रेनिंग

- जॉइंट ट्रेनिंग से बेहतर समन्वय और ऑपरेशनल क्षमता बढ़ेगी

नई दिल्ली। (एजेंसी)

केंद्र सरकार की धारा 370 हटाने के बाद से जम्मू कश्मीर का माहौल बहुत बदल गया है वहां लोग अपने चैन की सांस लेने लग हैं यह खुशी कुछ आतंकी संगठनों को रास नहीं आ रही है। वह छोटी मोटी घटना को अंदाम देने की फिराग में लगे रहे हैं उन्हें पूरी तरह से समाप्त करने और जम्मू-कश्मीर को आतंकवाद से पूरी तरह मुक्त करने के लिए इंडियन आर्मी और जम्मू-कश्मीर पुलिस की साथ ट्रेनिंग शुरू की गई है। यह पहली बार है जब जम्मू-कश्मीर में आर्मी के कोर बैटल स्कूल में पुलिस के 1000 से ज्यादा अधिकारियों को भी ट्रेनिंग दी जा रही है। इंडियन आर्मी के डोडा में बने वाइट नाइट कोर बैटल स्कूल में कुछ दिन पहले ही यह ट्रेनिंग शुरू की गई।

सूत्रों के मुताबिक पहले आर्मी के कोर बैटल स्कूल में पुलिस की स्पेशल टीम की ट्रेनिंग हो चुकी है लेकिन पहली बार इतनी बड़ी संख्या में जॉइंट ट्रेनिंग हो रही है। एक सीनियर अधिकारी के मुताबिक जम्मू-कश्मीर में तीन दशकों से ज्यादा वक्त से आर्मी और जम्मू-कश्मीर पुलिस मिलकर आतंकवाद विरोधी अभियान चला रहे हैं। कई सफल ऑपरेशन किए हैं। जॉइंट ट्रेनिंग के जरिए आर्मी और जम्मू-कश्मीर पुलिस में समन्वय और बेहतर होगा साथ ही ऑपरेशनल क्षमता भी बढ़ेगी।

चिप्स और टॉफी देकर ट्यूशन जा रहे पांच बच्चों का किया अपहरण

बेचने के लिए ले जा रहा था यूपी, पुलिस ने रोका तो खुला राज

नई दिल्ली। (एजेंसी)

दिल्ली पुलिस ने बच्चा चोर गिरोह के एक युवक पकड़ने में सफलता प्राप्त की है। यह युवक ट्यूशन जा रहे बच्चों को लालच देकर उनका अपहरण कर अपने साथ ले जा रहा था। पुलिस को संदेह होने पर पूछताछ की और युवक को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस आगे की जांच कर रही है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 18 मार्च को शाम छह बजे के आसपास रेलवे पुलिस की एक टीम ने नरेला रेलवे स्टेशन पर पांच बच्चों को स्कूल यूनिफॉर्म और बैग समेत एक युवक के साथ देखा तो पुलिस को युवक संदिग्ध लगा। रेलवे पुलिस उपायुक्त और टीम ने बच्चों से पूछताछ की ये देखकर आरोपी युवक मौके से भागने लगा। डीसीपी ने बताया कि आरोपी की पहचान 22 वर्षीय सेतु वर्मा के रूप में हुई है।

बच्चों ने पुलिस को बताया वह अपने गांव में ट्यूशन पढ़ने जा रहे थे। तभी आरोपी उन्हें चिप्स, टॉफी देकर बहलाया और स्टेशन लेकर आया गया। पुलिस ने बच्चों की नोटबुक की जांच की, जिससे बच्चों के स्कूल का नाम मिला। पुलिस ने स्कूल के प्रिंसिपल से संपर्क किया। पुलिस ने स्कूल की मदद से बच्चों के माता-पिता से संपर्क किया।

बेचने की नियत से किया अपहरण

पुलिस को शुरुआती जांच में पता चला है कि आरोपी सेतु वर्मा दिल्ली में मोमबत्ती बनाने वाली फैक्ट्री में काम करता था। उसने बच्चों को उत्तरप्रदेश में बेचने की नियत से अपहरण किया था। रेलवे पुलिस स्टेशन में अपहरण के मामले में मामला दर्ज किया गया था।पुलिस ने कोर्ट में बच्चों का बयान दर्ज करवाए हैं। कानूनी प्रक्रिया के बाद बच्चों को उनके परिवारों को सौंप दिया गया है। पुलिस ने कहा कि वर्मा को 19 मार्च को गिरफ्तार किया गया और फिर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था।

चुनाव में सेलिब्रिटी की चांदी, भाजपा ने राम से लेकर ड्रीम्स गर्ल्स को दिया टिकट

टीएमसी ने बिहारी बाबू को दिया मौका

नई दिल्ली । (एजेंसी)

फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े लोगों का राजनीतिक पार्टियों से जुड़ने और चुनावी मैदान में उतरने की शुरुआत दशकों पहले ही हो गई थी और पिछले कुछ चुनावों से यह ट्रेंड बढ़ता ही दिखा है। बीजेपी ने लोकसभा चुनाव 2024 में कई फिल्म कलाकारों को मैदान में उतारा है। तृणमूल कांग्रेस ने भी फिल्म स्टारों को टिकट दिया है, वहीं कांग्रेस से भी संभावना है कि कुछ सेलिब्रिटी मैदान में हो। जाने-माने राजनीतिक विश्लेषक जयंत घोषाल बताते हैं कि राजनीति के मैदान में जो फिल्म से आते हैं, वे लोग सेलिब्रिटी होते हैं। सेलिब्रिटी होने के कारण उनका टीआरपी काफी हाई होती है और ये लोग पहले से ही पॉपुलर होते हैं। फिल्मी हस्तियों पर दांव खेलने का एक सबसे बड़ा कारण है कि ज्यादातर फिल्म स्टारों की छवि जनता में खराब नहीं है, जिससे उनकी स्वीकार्यता जनता में ज्यादा है।

बीजेपी ने इस बार भी जानी-मानी अभिनेत्री हेमा मालिनी को फिर से मथुरा से टिकट दी है। वहीं दूरदर्शन के रामायण सीरियल में घर-घर में पहचान बनाने वाले और भगवान श्रीराम का किरदार निभाने वाले अरुण गोविल को मेरठ से टिकट दिया है। बॉलिवुड अभिनेत्री कंगना रनौत को हिमाचल प्रदेश के मंडी लोकसभा क्षेत्र से उम्मीदवार बनाया गया है। भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री में सिंगर और अभिनेता के रूप में नाम कमा चुके मनोज तिवारी को बीजेपी ने उत्तर-पूर्वी दिल्ली से उम्मीदवार बनाया है, वह यहां से मौजूदा सांसद भी हैं। वहीं बॉलीवुड और भोजपुरी फिल्मों में काम कर चुके रवि किशन को गोरखपुर सीट से फिर से टिकट दिया गया है, वह गोरखपुर से ही मौजूदा सांसद हैं। सांसद और भोजपुरी फिल्मों के अभिनेता दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ को आजमगढ़ से उम्मीदवार बनाया गया है। दिनेश लाल 2022 में इस सीट पर उपचुनाव जीते थे। बीजेपी ने बंगाल की हुगली सीट से मौजूदा सांसद लॉकेट चटर्जी को फिर उम्मीदवार बनाया है, वह पूर्व में बंगाली फिल्मों में काम कर चुकी हैं। बीजेपी ने मशहूर गायक और दक्षिण भारतीय फिल्मों में काम करने वाले सुरेश गोपी को केरल के त्रिशूर से टिकट दिया है।

तृणमूल कांग्रेस ने शत्रुघ्न सिन्हा को आसनसोल सीट से टिकट दिया है। शत्रुघ्न सिन्हा ने अपने करियर की शुरुआत साल 1992 में दिल्ली उपचुनाव से की थी, हालांकि उस समय उन्हें राजेश खन्ना के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। यहां से हारने के बाद शत्रुघ्न सिन्हा ने बिहार से लोकसभा चुनाव लड़ा और जीत दर्ज की, इसके बाद शत्रुघ्न सिन्हा कई बार सांसद रह चुके हैं। टीएमसी ने अभिनेता से नेता बनीं और हुगली लोकसभा क्षेत्र से रचना बनर्जी को मैदान में उतारा है। बंगाली फिल्म इंडस्ट्री की जानी-मानी अभिनेत्री रचना बनर्जी बीजेपी की सांसद लॉकेट चटर्जी के खिलाफ चुनाव लड़ेंगी। अभिनेत्री रचना की ओर से होस्ट किए जा रहे शो दीदी नंबर-1 बहुत लोकप्रिय रहा है। रचना बनर्जी तमिल, तेलुगु, बंगाली और उड़िया फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं। ममता बनर्जी ने मिमी चक्रवर्ती और नुसरत जहां जैसे मौजूदा सांसदों को टिकट नहीं दिया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

वकीलों की दलील

चुनाव का आगाज होते ही देश में विभिन्न शक्तिशाली समूहों का सक्रिय होना जितना स्वाभाविक है, उतना ही विचारणीय भी। इस संदर्भ में गुरुवार को न्यायिक बिरादरी में जिस तरह की सक्रियता देखी गई है, उसने सहज ही सबका ध्यान खींचा है। अव्वल तो वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे और बार काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष मनन कुमार मिश्रा सहित पूरे भारत से 600 से अधिक वकीलों ने प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ को पत्र लिखकर चिंता जताई है। चिंता यह है कि एक समूह अपने पक्ष में ऐसे दबाव बना रहा है, जिससे न्यायपालिका की अखंडता के लिए खतरा पैदा हो रहा है। वकीलों के इस बड़े समूह ने देश के प्रधान न्यायाधीश को पत्र लिखकर न्यायिक प्रक्रिया में हेरफेर करने, अदालती फैसलों को प्रभावित करने और निराधार आरोपों और राजनीतिक एजेंडे के साथ न्यायपालिका की प्रतिष्ठा धूमिल करने के प्रयास करने वाले 'निहित स्वार्थी समूह' की निंदा की है। कुल मिलाकर, सर्वोच्च अदालत को यह एहसास दिलाने की कोशिश है कि वह किसी दबाव में फैसले न ले। यह गौर करने की बात है कि इन दिनों कुछ राजनेता कठघरे में खड़े हैं और उन्हें बचाने के लिए वकीलों का एक समूह सक्रिय है, यह हमारी न्याय व्यवस्था का स्वाभाविक हिस्सा है। वकीलों के इस पहले समूह के खिलाफ वकीलों का दूसरा समूह सक्रिय हुआ है, तो वकीलों के पहले समूह की ओर से जवाब आ चुका है। वकीलों के बीच परस्पर आरोप-प्रत्यारोप भी काफी गंभीर व दुखद हैं, उनमें न पड़ते हुए हमें यह देखना चाहिए कि क्या वाकई कुछ वकील मिलकर न्याय को प्रभावित कर सकते हैं? हां, ऐसा हो सकता है। हमारी न्यायपालिका में यह तथ्य नया नहीं है कि बड़े लोगों के मामलों में अक्सर बड़े वकील ही सामने आते हैं और वकीलों के बीच आय की असमानता से भी यही पता चलता है कि सक्षम लोग न्याय पाने में दूसरों से कुछ ज्यादा संभावना रखते हैं। वकीलों का परस्पर द्वंद्व भी इसी ओर इशारा करता है। इसमें कोई शक नहीं कि न्यायमूर्तियों को नामी वकीलों या रसूखदार आरोपियों के सामने समान रूप से व्यवहार करना चाहिए और हमारे न्यायमूर्ति ऐसा ही करते हैं। फिर भी कहीं शिकायत की गुंजाइश रह जाती है और कुछ वकीलों को मिलकर ऐसे पत्र लिखने की जरूरत पड़ती है। ऐसे पत्रों की आलोचना नहीं की जा सकती, किंतु ऐसे पत्र विशेष रूप से न्यायमूर्तियों से ज्यादा सजगता व संवेदना की मांग करते हैं। लोकतंत्र में किसी दिशा से किसी मांग का उठना गलत नहीं है, पर ऐसी मांगों की पूर्ति संविधान के सुस्थापित दायरे में ही होनी चाहिए और ज्यादातर होती भी है। इस संदर्भ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बयान भी उल्लेखनीय है, उन्होंने एक तरह से 600 वकीलों के पत्र के अनुकूल टिप्पणी की है और यहां तक कह दिया है कि धमकाना कांग्रेस की पुरानी संस्कृति है। मतलब, चुनावी मौसम में यह एक ऐसा मुद्दा है, जिस पर आने वाले कुछ दिनों तक बहस जारी रह सकती है। मामला वाकई गंभीर है। ध्यान रहे, 600 वकीलों के पत्र में 'बेंच फिक्सिंग के मनगढ़ंत सिद्धांत' के बारे में भी चिंता जताई गई है, जिसके तहत न्यायिक पीठों की संरचना को प्रभावित करने और न्यायाधीशों की ईमानदारी पर सवाल उठाने का प्रयास शायद नया नहीं है। ऐसे में, यह जरूर कहना चाहिए कि देश में किसी भी स्तंभ या सांविधानिक संस्था का भाव-दोहन नहीं होना चाहिए। होना वही चाहिए, जो संविधान की रोशनी में सही हो।

आज का राशिफल

मेष शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन लाभ के योग हैं।

वृषभ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। वाद-विवाद की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी। जारी प्रयास सार्थन होगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मिथुन उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है।

कर्क पारिवारिक जनों से पीड़ा मिल सकती है। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन हानि की संभावना है।

सिंह व्यावसायिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मैत्री संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। पड़ोसी या अधीनस्थ कर्मचारी से विवाद हो सकता है। किसी मूल्यवान वस्तु के चोरी या खोने की आशंका है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कन्या पिता का भरपूर सहयोग मिलेगा और उससे प्रगति भी होगी। आर्थिक मामलों में लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी में सौम्यता बनाये रखे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

तुला जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। मकान या सम्पत्ति के मामले में सफलता मिलेगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

वृश्चिक राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। शासन सत्ता या घर के मुखिया के कारण तनाव मिल सकता है। देशाटन या व्यावसायिक यात्रा फलीभूत होगी। निजी संबंध मधुर होंगे। धन, सम्मान, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी।

धनु शासन सत्ता का लाभ मिलेगा। किसी वस्तु के खोने या चोरी होने की आशंका है। आर्थिक मामलों में सुधार होगा। षड्यंत्र की आशंका है। कोई सुखद समाचार मिलेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किया गया श्रम सार्थक होगा। स्थानान्तरण या अन्य व्यावसायिक लाभ मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग की संभावना है। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मीन दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें, कर्ज की स्थिति आ सकती है।

उत्तराखंड के भूले बिसरे वीर योद्धा पुरिया के योगदान की कहानी

(लेखक - डॉ श्रीगोपाल नारसन)

उत्तराखंड के गढ़वाल के मध्ययुगीन नरेशों के इतिहास में विलक्षण प्रतिभा के धनी पुरिया नैथानी का नाम एक कुशल-चतुर कूटनीतिज्ञ और सेनापति के रूप में याद किया जाता है। जिन्होंने वाकचातुर्य से न केवल गढ़वाल राज्य की सीमाओं को अक्षुण्ण बनाया बल्कि अपनी क्रूरता के लिये जाने वाले औरंगजेब से गढ़वाल पर लगे जजिया कर तक माफ करवाया दिया था। उनकी मेधा व हिंदू-मुस्लिम एकता के प्रयासों से औरंगजेब इतना प्रसन्न हुआ है कि उसने गढ़वाल के लोगों पर लगे जजिया कर माफ करने की घोषणा कर दी।

विलक्षण प्रतिभा के धनी पूर्णमल उर्फ पुरिया नैथानी का जन्म शुक्ल पक्ष पूर्णमासी भाद्रपद यानी अगस्त 1648 ई को पौड़ी जनपद के ग्राम नैथाणा में गौंडु नैथाणी के घर हुआ। तत्कालीन गढ़ नरेश पृथ्वी शाह के करीबी मंत्री डोभाल, जो एक प्रसिद्ध ज्योतिषज्ञ भी थे, ने पुरिया जी की जन्मपत्री देखकर उनके असाधारण उज्ज्वल भविष्य को दर्शाते ग्रहों को पहचाना। पुत्रहीन डोभाल ने पुरिया जी के पिता से उन्हें अपने कन्या के वर के रूप में मांग लिया था। साथ ही उनके पिता के भरण-पोषण के लिये मासिक पेंशन की व्यवस्था भी की। इस तरह कुशाग्र बुद्धि के मेधावी पुरिया की शिक्षा-दीक्षा राजकुमारों के साथ हुई। राजगुरु के सानिध्य में उन्होंने संस्कृत, इतिहास,भुगोल, अस्त्र-शस्त्र, धर्मशास्त्रों व घुडसवारी की शिक्षा हासिल की। कालांतर मंत्री डोभाल की पुत्री से उनका विवाह हुआ।

वीर पुरिया वर्ष 1668 में गढ़वाल नरेश पृथ्वीपति शाह के प्रतिनिधि के रूप में औरंगजेब की बेटी रोशनआरा के विवाहोत्सव में भाग लेने गये। उन्होंने अपनी प्रतिभा से औरंगजेब को प्रभावित किया। एक छत्रप से कोटद्वार के भावर इलाके के एक बड़े भूभाग को औरंगजेब के निर्देश पर मुक्त कराया, जिसके लिए गढ़ नरेश से सैकड़ो बीघा जमीन पुरिया जी को प्रदान की। वहीं वर्ष 1680 में औरंगजेब के दरबार में अपने वाकचातुर्य से आर्थिक रूप से कमजोर गढ़वाल की जनता को जजिया कर से मुक्त कराने में सफलता प्राप्त कर ली। पुरिया जी के सांप्रदायिक सद्भाव के तर्कों से औरंगजेब इतना प्रभावित हुआ कि उसने गढनरेशों की प्राचीन राजधानी देवलगढ़ में प्राचीन मंदिरों के जीर्णोद्धार के लिये आर्थिक सहायता प्रदान की। इस ऐतिहासिक सफल यात्रा के बाद गढ़वाल नरेश ने उन्हें अपना सेनापति बना दिया। उन्होंने गढ़वाल की सीमाओं को अक्षुण्ण बनाने के लिये कई युद्धों में वीरतापूर्वक निर्णायक भूमिका निभाई और कई विद्रोहों व हमलों में राजवंश की रक्षा की।

कालांतर, गोरखा युद्ध व अंग्रेजों के वर्चस्व के बीच समय के थपेड़ों के चलते वीर पुरिया को विस्मृत कर दिया गया। स्वतंत्र भारत में कई इतिहासकारों ने उनके बारे में लिखा, लेकिन उनके योगदान से परिचित होने में नई पीढ़ी वंचित रही। कालांतर कुछ जागरूक लोगों ने उन पर कई किताबें लिखी और उनका स्मारक उनके गांव में बनाने का प्रण लिया। ग्राण नैथाणा में वीर पुरिया स्मारक की आधारशिला 27 अक्तूबर 2021 को रखी गई। लंदन में रहने वाले समाजसेवी डॉ सतीश चंद्र नैथानी ने चार लाख का चेक देकर अभियान की शुरूआत की गई। उनका स्मारक अब बनकर तैयार हो चुका है। उत्तराखंड सरकार की आंशिक मदद के साथ इसके निर्माण में करीब 24 लाख रुपये का खर्च आया । 31 मार्च 2024को उनके स्मारक का लोकार्पण होना है। जिसमें अनेक जनप्रतिनिधियों के साथ आसपास के 82 गांवों को इसके लिये निमंत्रण दिया गया है। श्री पुरिया ट्रस्ट के संरक्षण निर्मल प्रकाश बताते हैं कि मूर्ति के अनावरण समारोह का खर्च करीब साढ़े चार लाख रुपये अनुमानित है। इस आयोजन में आंशिक मदद उत्तराखंड सरकार ने भी की। जिसमें पुरातत्व विभाग द्वारा उलब्ध कराई गई पांच लाख की मूर्ति भी है। साथ ही तीन लाख रुपये की राशि स्मारक के पिलर निर्माण में भी दी गई। यह स्मारक पहाड़ी ढलाव जमीन पर स्थित होने के कारण दो मंजिले भवन के रूप में बनाया गया।

वीर पुरिया- उत्तराखंड का एक विस्मृत योद्धा पुस्तक के लेखक निर्मल प्रकाश बताते हैं कि वीर पुरिया लंबे अंतराल तक वे एक विस्मृत योद्धा की तरह रहे। इतिहासकारों ने उनके योगदान को नजरअंदाज किया। वे नैथाणा गांव के गौरवशाली पूर्वज थे। ऐसे में उनकी स्मृतियों को संजोने और नई पीढ़ियों को उनके योगदान से अवगत कराने के लिये हमने स्मारक बनाने का संकल्प लिया। कालांतर निर्णय लिया गया कि स्मारक के साथ ही एक सामुदायिक केंद्र भी बनाया जाए। ताकि देश-विदेश से आने वाले प्रवासियों को गांव में रहने में दिक्कत न हो। दरअसल, इस काम को आगे बढ़ाने में श्री पुरिया नैथाणी सेवा ट्रस्ट की स्थापना की गई। ट्रस्ट की स्थापना श्रीमती गोदबरी की प्रयासों से देहरादून में हुई, जिसे श्रीमती विजय सामल के प्रयासों से आगे गति मिली।। कालांतर ट्रस्ट के प्रयासों से सामुदायिक भवन की आधारशिला 27 अक्तूबर 2021 को की गई। सामुदायिक भवन एक डबल स्टोरी के रूप में बनाया जा रहा है। जिसमें सांस्कृतिक आयोजनों के लिये एक हाल भी बनाया जा रहा है।

निश्चित रूप से स्मारक के लिये चंदा जुटाना एक बेहद मुश्किल कार्य था। सेवा ट्रस्ट के पहले अध्यक्ष व वर्तमान संरक्षक निर्मल प्रकाश व वर्तमान प्रधान श्री सुनील गांव-गांव व शहरों में बसे प्रवासी नैथाणावासियों के पास गए। निर्मल नैथानी व उनकी टीम ने गढ़वाल के करीब 32 गांवों में लोगों को संपर्क किया। ये वे गांव थे जहां नैथाणा से प्रवास करके लोग बसे थे। ये ग्रामीण संपन्न वर्ग से नहीं थे, लेकिन इस संपर्क अभियान का उद्देश्य वीर पुरिया की विरासत व स्मारक से सबको जोड़ना भी था। इन सभी गांव में प्रचार-प्रसार के साथ प्रतीकात्मक चंद कार्यक्रम में भागेदारी के लिया गया। साथ ही उन स्थानों को भी छूने का प्रयास किय गया, जहां वीर पुरिया जी के पांव पड़े थे। मकसद उस मिट्टी का प्रणाम करना था जहां हमारे पुरखों के पांव पड़े थे।

दरअसल, निर्मल व उनकी टीम मदन मोहन मालवीय की तरह चंदा जुटाने घर-घर गए। पहले वे अध्यक्ष के रूप में वन मैन आर्मी की तरह जूझे। कालांतर सुनील नैथानी की अध्यक्षता में अभियान चला तो वे निर्मल प्रकाश संरक्षक की भूमिका में आ गये। दरअसल, मिल्ट्री इंजीनियरिंग सर्विस से सेवानिवृत्त अभियंता के उनके अनुभव स्मारक व सामुदायिक केंद्र के निर्माण में काम आये। उन्होंने वीर पुरिया के योगदान व इस अभियान से जुड़ी पुस्तक - 'वीर पुरिया- उत्तराखंड का एक विस्मृत योद्धा' भी लिखा। जिसका विमोचन 22 अगस्त 2020 को पुरिया जी की जयंती पर देहरादून में तत्कालीन मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने किया था।

श्री पुरिया नैथाणी सेवा ट्रस्ट की एक कामयाबी यह भी रही कि वीर पुरिया के योगदान को उत्तराखंड के सरकारी स्कूलों की पुस्तकों के पाठ्यक्रम में शामिल किया गया। इसके लिये ट्रस्ट को लंबा संघर्ष करना पड़ा। दरअसल, उत्तराखंड सरकार ने राज्य की पाठ्य पुस्तकों में राज्य के महत्वपूर्ण नायकों, स्वतंत्रता सेनानियों, मेले व सांस्कृतिक पुरुषों को शामिल करने के लिये एक बोर्ड गठित किया। पहले बोर्ड के अधिकारियों ने कहा कि कुछ किताबें लिखने से कोई व्यक्ति इतिहास का हिस्सा नहीं बन जाता। दलील दी कि इन पुस्तकों के लेखक इतिहासकार नहीं थे। ट्रस्ट ने दलील दी कि यू ट्यूब व सोशल मीडिया पर उन पर्याप्त सामग्री मौजूद है। वीर पुरिया पर दिल्ली व अन्य भागों में नाटक खेले गए हैं। तब ट्रस्ट ने उत्तराखंड के प्रतिष्ठित इतिहासकार शिव प्रसाद डबराल ,जिनके गढ़वाल के इतिहास पर 22 वैल्यूम मौजूद हैं, हरिकृष्ण रतूड़ी, उत्तर प्रदेश के शिक्षा व सांस्कृतिक मंत्री रहे भक्तदर्शन द्वारा 26 पेजों में वीर पुरिया के बारे में लिखे लेख व गोविंद चातक द्वारा लिखे इतिहास के दस्तावेज बोर्ड को पेश किये। तब जाकर वीर पुरिया को पाठ्यक्रम में शामिल किया गया। इसमें सेनापति वीर पुरिया द्वारा टिहरी राज्य के अल्पवयस्क वारिस व रानी की कठैत विद्रोहियों से रक्षा से जुड़ अद्वाणी के रानीगढ़ आदि महत्वपूर्ण घटनाक्रमों का उल्लेख है। साथ ही वीर पुरिया से जुड़े महत्वपूर्ण घटनाक्रमों व स्थानों का विवरण शामिल है। ट्रस्ट की कोशिश है कि वीर पुरिया से जुड़े द्वाराहाट स्थित नैथाणी गढ़, नैथाणी देवी मंदिर व नैथाणी पहाड़ आदि विवरणों से अगली पीढ़ी को अवगत कराया जा सके।

(लेखक अमर शहीद जगदीश वत्स के भांजे व वरिष्ठ पत्रकार है)

बूंद-बूंद सहेजने की मानसिकता बनाए देश

जल संकट का समाधान

पंकज चतुर्वेदी

इस बार भी अनुमान है कि मानसून की कृपा देश पर बनी रहेगी। ऐसा बीते दो साल भी हुआ उसके बावजूद बरसात के विदा होते ही देश के बड़े हिस्से में बूंद-बूंद के लिए मारामारी शुरू हो जाती है। मानना चाहिए कि जल स्रोत तो बारिश ही है और जलवायु परिवर्तन के कारण साल दर साल बारिश का अनियमित होना, बेसमय होना और अचानक तेजगति से होना घटित होगा ही। आंकड़ों के आधार पर हम पानी के मामले में पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा समृद्ध हैं, लेकिन चिंता का विषय यह है कि पूरे पानी का कोई 85 फीसदी बारिश के तीन महीनों में समुद्र की ओर बह जाता है और नदियां सूखी रह जाती हैं। यह सवाल देश में हर तीसरे साल खड़ा हो जाता है कि ''औसत से कम'' पानी बरसा या बरसेगा, अब क्या होगा? देश के 13 राज्यों के 135 जिलों की कोई दो करोड़ हेक्टर कृषि भूमि के किसान प्रत्येक दस साल में चार बार पानी के लिए त्राहि-त्राहि करते हैं। दरअसल, लोग नजरअंदाज कर रहे हैं कि यदि सामान्य से कुछ कम बारिश भी हो और प्रबंधन ठीक हो तो समाज पर इसके असर को गौण किया जा सकता है। जरा देश की जल-कुंडली भी बांच ली जाए। भारत में दुनिया की कुल जमीन या धरातल का 2.45 क्षेत्रफल है। दुनिया के कुल संसाधनों में से चार फीसदी हमारे पास हैं व जनसंख्या की भागीदारी 16 प्रतिशत है। हमें हर साल औसतन 110 सेंटीमीटर बारिश से कुल 4000 घन मीटर पानी प्राप्त होता है, जो कि दुनिया के अधिकांश देशों से बहुत ज्यादा है। लेकिन हमारे यहां बरसने वाले कुल पानी का महज 15 प्रतिशत ही संचित हो पाता है। शेष पानी नालियों, नदियों से होते हुए समुद्र में जाकर मिल जाता है। हां, एक बात सही है कि कम बारिश में भी उग आने वाले मोटे अनाज जैसे ज्वार, बाजरा, कुटकी आदि की खेती व इस्तेमाल सालों-साल कम हुआ है। वहीं ज्यादा पानी मांगने वाले सोयाबीन व अन्य कैश क्रॉप ने खेतों में स्थान बढ़ाया है। इसके चलते बारिश पर निर्भर खेती बढ़ी है। थोड़ा भी कम पानी बरसने पर किसान दुखी दिखता है। देश का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल 32.80 लाख वर्ग किलोमीटर है, जबकि सभी नदियों को सम्मिलित जलग्रहण क्षेत्र 30.50 लाख वर्ग किलोमीटर है। भारतीय नदियों के मार्ग से हर साल 1645 घन किलोलीटर पानी बहता है जो सारी दुनिया की कुल नदियों का 4.445 प्रतिशत है। देश के उत्तरी हिस्से में नदियों में पानी का अस्सी फीसदी जून से सितंबर के बीच रहता है, दक्षिणी राज्यों में यह आंकड़ा 90 प्रतिशत का है। जाहिर है कि देश में आठ महीनों में पानी का जुगाड़ ना तो बारिश से होता है और ना ही नदियों से। दुखद है कि बरसात की हर बूंद को सारे साल जमा करने वाली गांव-कस्बे की छोटी नदियां बढ़ती गरमी, घटती बरसात और जल संसाधनों की नैसर्गिकता से लगातार

छेड़छाड़ के चलते या तो लुप्त हो गई या गंदे पानी के निस्तार का नाला बना दी गईं। देश के चप्पे-चप्पे पर छितरे तालाब तो हमारा समाज पहले ही चट कर चुका है। कुएं तो बिसुरी बात हो गए। बाढ़-सुखाड़ के लिए बदनाम बिहार जैसे सूबे की 90 प्रतिशत नदियों में पानी नहीं बचा। गत तीन दशक के दौरान राज्य की 250 नदियां लुप्त हो चुकी हैं। बिहार में पानी के लिए हत्या का आंकड़ा देश में सर्वाधिक है। झारखंड के हालात कुछ अलग नहीं हैं, यहां भी 141 नदियों के गुम हो जाने की बात फाइलों में तो दर्ज है लेकिन उनकी चिंता किसी को नहीं । नदियों का जीवनस्थल कहा जाने वाला उत्तराखंड हो या फिर दुनिया की सबसे ज्यादा बरसात के लिए मशहूर मेघालय, छोटी नदियों के लुप्त होने का सिलसिला जारी है। प्रकृति तो हर साल कम या ज्यादा, पानी से धरती को सींचती ही है। लेकिन असल में हमने पानी को ले कर अपनी आदतें खराब कीं। जब कुएं से रस्सी डाल कर पानी खींचना होता था तो जितनी जरूरत होती थी, उतना ही जल उलीचा जाता था। घर में टोंटी वाले नल लगने और उसके बाद बिजली या डीजल पंप से चलने वाले ट्यूब -वेल लगने के बाद तो एक गिलास पानी के लिए बटन दबाते ही दो बाल्टी पानी बर्बाद करने में हमारी आत्मा नहीं कांपती है। हमारी परंपरा पानी की हर बूंद को स्थानीय स्तर पर सहेजने, नदियों के प्राकृतिक मार्ग में बांध, रेत निकालने, मलबा डालने, कूड़ा मिलाने जैसी गतिविधियों से बच कर, पारंपरिक जल स्रोतों- तालाब, कुएं, बावड़ी आदि के हालात सुधार कर, एक महीने की बारिश के साथ सालभर के पानी की कमी से जूझने की रही है। निस्संदेह, प्रकृति जीवनदायी संपदा पानी हमें एक चक्र के रूप में प्रदान करती है और इस चक्र को गतिमान रखना हमारी जिम्मेदारी है। इस चक्र के थमने का अर्थ है हमारी जिंदगी का थम जाना।

विचार मंथन

सीएसआर फंड का उपयोग चुनावी बांड में?

(लेखक - सनत जैन)

पिछले 5 वर्षों में कंपनियों ने सीएसआर फंड के रूप में 1 लाख 14 हजार 774 करोड रुपए स्वयंसेवी संस्थाओं को दान में दिए हैं। इस धन का उपयोग किस तरह से हुआ है। इसके नए-नए खुलाशे सामने आ रहे हैं। वर्ष 2021-22 में 19,043 कंपनियों ने 26,278.71 करोड, 2020-21 में 20840 कंपनियों ने 26,210.95 करोड़, 2019-20 में 22985 कंपनियों ने 24965.82 करोड़, 2018-19 में 250181 कंपनियों ने 20217.65 करोड़ तथा 2017-18 में 21525 कंपनियों में ने 17,098.57 करोड रुपए का दान किया है। कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी फंड का उपयोग कंपनियां अपने निजी हितों के लिए कर रही हैं। कंपनियों द्वारा जिन स्वयंसेवी संस्थाओ को दान दिया जाता है। उस संस्था से 65 से लेकर 80 फ़ीसदी राशि कंपनियों द्वारा वापस ले ली जाती है। इस राशि का उपयोग कंपनी रिश्वत बांटने चुनावी चंदा देने और अपने विरोधियों को निपटाने के लिए काले धन के रूप में अपनी सुविधानुसार करती है। सीएसआर फंड की जो बंदर बांट हो रही है। उसमें एक बड़ी राशि पिछले 5 वर्षों में इलेक्ट्रोल बांड के रूप में राजनीतिक दलों को चंदे के रूप में दी गई है। यह बात भी अब खुलकर सामने आने लगी है। कंपनी एक्ट 2013 के अनुसार हर कंपनी को अपने शुद्ध मुनाफे की दो फ़ीसदी राशि को सामाजिक सरोकारों में खर्च करना जरूरी होता है। जिन ट्रस्ट या स्वयंसेवी संस्थाओं को यह राशि दी जाती है। उन्हीं ट्रस्ट और संस्थाओं से 65 से लेकर 80 फ़ीसदी राशि कंपनियों द्वारा वापस ले लेती हैं। ट्रस्ट एवं स्वयंसेवी संस्थाएं दी गई राशि को खर्च में दिखा देती हैं। 20 से 35 फ़ीसदी तक चंदा स्वयंसेवी संस्थाओं के पास रह जाता है। अधिकांश चंदा उन स्वयंसेवी संस्थाओं को दिया गया है। जो सेवा निवृत आईएएस, आईपीएस अधिकारी, राजनेता और उनके परिवारजन चलाते हैं। कंपनियों के इस फंड को दिलाने के लिए सीएसआर फंड कंसल्टेंट इस काम को बखूबी अंजाम दिलाने में अपनी सेवाएं देते हैं। सीएसआर फंड की कमीशन खोरी का यह धंधा बड़े पैमाने पर देश मे चल रहा है। दान में दी गई 65 से 80 फ़ीसदी रकम अंगड़ियों के माध्यम से नगद रूप में कंपनियों के पास वापस पहुंच जाती है। इस राशि का उपयोग ब्लैक मनी के रूप में किया जाता है। कंपनियों का ऑडिट सीए द्वारा किया जाता है। वह इस बात की जांच नहीं करते हैं, कि जो दान दिया गया है, वह सही तरीके से खर्च हुआ है, या नहीं। इसी तरीके से ट्रस्ट और स्वयं सेवी संस्थाओं का ऑडिट भी सीए द्वारा किया जाता है। वह भी आय और व्यब का ऑडिट वाउचर के अनुसार करके इति श्री कर लेते हैं। आयकर अधिकारियों के ऑडिट में इस तरह की गड़बड़ी का खुलासा होने के बाद भी, इस तरह के अवैध लेनदेन पर रोक लगा पाना संभव नहीं हो पा रहा है। पिछले वर्षों में इलेक्ट्रोल बांड के रूप में कंपनियों ने जो चुनावी चंदा दिया है। उसमें से अधिकांश चंदा सीएसआर फंड की रा शि से अपरोक्ष रूप से दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर स्टेट बैंक आफ इंडिया ने इलेक्ट्रोल बांड को लेकर जो खुलासा किया है। उसमें जिन कंपनियों ने चंदा दिया है। उनकी बैलेंस शीट में उस चंदे का जिक्र ही नहीं है। यदि इस मामले की जांच कराई जाए, तो यह अभी तक का एक बहुत बड़ा घोटाला है। सरकार ने जिस तरीके के कानून बनाए हैं। उसके बाद देश में काला धन एकत्रित हो, इसकी संभावना ही नहीं है। अभी भी ईड़ी,सीबीआई और आयकर विभाग के जहां छापे पड़ते हैं। करोड़ों अरबों रुपए की नगदी बरामद होती है। कॉर्पोरेट कंपनियों और स्वयंसेवी संस्थाओं के गठजोड़ से अंगड़ियों के माध्यम से हर साल करोड़ों रुपए का लेनदेन काले धन के रूप में भारत में हो रहा है। इसे आयकर और ईडी के अधिकारी भी जानते हैं। सरकार भी जानती है। सरकारी सरपरस्ती में काले धन का यह लेनदेन आज भी बखूबी चल रहा है। कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी का इससे बड़ा मजाक और कोई नहीं हो सकता है। गरीबों के नाम पर योजनायें और कानून बनाये जाते हैं। इसका लाभ गरीबों को नहीं मिलता है। गरीबों के नाम पर जो योजनायें संचा लित होती हैं, उसका लाभ बड़े-बड़े धन्नासेठ उठाते हैं। सीएसआर फंड भी उसका एक उदाहरण है।

फेसबुक का न्यूज टैब होगा समाप्त

लॉस एंजिलिस । मेटा अप्रैल की शुरुआत में अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के उपयोगकर्ताओं के लिए फेसबुक न्यूज फीचर को समाप्त करने पर विचार कर रहा है। यह सुविधा ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी में पिछले साल बंद कर दी गई थी। फेसबुक न्यूज टैब की शुरुआत 2019 में की गई थी और इसमें राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय समाचार संस्थानों के साथ छोटे और स्थानीय प्रकाशनों की खबरों को जारी किया जाता है। मेटा का कहना है कि उपयोगकर्ता अभी भी समाचार लेखों के लिंक देख पाएंगे और समाचार संस्थान अन्य आम लोगों या संस्थाओं की तरह अब भी अपनी खबरें पोस्ट कर पाएंगे और वेबसाइट का प्रचार कर सकेंगे। मेटा ने अपने मंच पर दुष्प्रचार वाले तरीकों से निपटने को लेकर पिछले कुछ सालों में हुई आलोचना के बाद खबरों और राजनीतिक सामग्री पर जोर नहीं देने का फैसला किया है। मेटा के एक प्रवक्ता ने कहा कि यह घोषणा राजनीतिक विषयवस्तु को संलने की दिशा में हमारे सालों के कामकाज का विस्तार है। यह इस पर आधारित है कि लोग हमसे क्या चाहते हैं। मेटा ने यह भी कहा कि न्यूज टैब उसके फैक्ट चेक नेटवर्क और गलत सूचनाओं की समीक्षा करने के तौर-तरीकों को प्रभावित नहीं करेगा।

आईआईएफएल 25 करोड़ में खरीदेगी आरडीसीएल में पांच प्रतिशत हिस्सेदारी

मुंबई । आईआईएफएल होम फाइनेंस संस्थापक सदस्य के तौर पर 25 करोड़ रुपये के निवेश से आरएमबीएस डेवलपमेंट कंपनी कंसोर्टियम में पांच प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने की योजना बना रही है। कंपनी ने कहा कि आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, बजाज फाइनेंस, श्रीराम हाउसिंग फाइनेंस, आदित्य बिड़ला हाउसिंग फाइनेंस, हीरो हाउसिंग फाइनेंस और गृहम हाउसिंग फाइनेंस जैसे कर्जदाताओं ने 500 करोड़ रुपये के निवेश से आरएमबीएस डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड (आरडीसीएल) बनाने के लिए नेशनल हाउसिंग बैंक और एलआईसी के साथ समझौता किया है। आईआईएफएल के अनुसार आरडीसीएल का उद्देश्य आवासीय ऋण प्रतिभूति (आरएमबीएस) बाजार को पुनर्जीवित करना और किफायती आवास के वित्तपोषण के लिए इसकी क्षमता को खोलना है। आईआईएफएल होम फाइनेंस के पास दिसंबर, 2023 तक प्रबंधन के अधीन संपत्तियां (एयूएम) 32,000 करोड़ रुपये से अधिक थीं। पिछले आठ साल में यह 38 प्रतिशत की दर से बढ़ी है।

वारबर्ग पिन्कस ने आईडीएफसी फर्स्ट बैंक में अपनी हिस्सेदारी बेची

नई दिल्ली । निजी इक्विटी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी वारबर्ग पिन्कस ने खुले बाजार लेनदेन के जरिये निजी क्षेत्र के ऋणदाता आईडीएफसी फर्स्ट बैंक में अपनी पूरी 2.25 प्रतिशत हिस्सेदारी 1,195 करोड़ रुपये में बेच दी। वारबर्ग पिन्कस ने बीएसई में अपने सहयोगी क्लोवरडेल इन्वेस्टमेंट लिमिटेड के माध्यम से आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के शेयर बेचे। बीएसई के पास उपलब्ध थोक सौदे के आंकड़ों के अनुसार क्लोवरडेल इन्वेस्टमेंट ने आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के 15.88 करोड़ से अधिक शेयर बेचे। शेयरों का निपटान औसतन 75.24 रुपये प्रति शेयर के भाव पर किया गया। इससे यह सौदा 1,195.21 करोड़ रुपये होता है। दिसंबर 2023 तक वारबर्ग पिन्कस के पास अपनी सहयोगी के माध्यम से मुंबई मुख्यालय वाले आईडीएफसी फर्स्ट बैंक में 2.25 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। शेयर खरीदने वालों की जानकारी नहीं मिल पाई है। गुरुवार को बीएसई पर आईडीएफसी फर्स्ट बैंक का शेयर 3.11 प्रतिशत की गिरावट के साथ 75.39 रुपये पर बंद हुआ।

गुड फ्राइडे पर शेयर बाजार बंद

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार 29 मार्च को गुड फ्राइडे के अवसर पर बंद रहेंगे, आज एनएसई-बीएसई में कारोबार नहीं होगा। शुक्रवार को इक्विटी, इक्विटी डेरिवेटिव और सिक्योरिटीज लेंडिंग एंड बॉरोइंग सेगमेंट में कारोबार बंद रहेगा। एक्सचेंजों की तरफ से जारी हॉलीडे कैलेंडर के मुताबिक, करेंसी डेरिवेटिव सेगमेंट भी बंद रहेगा। इसके अलावा धातु और सर्राफा समेत थोक जिंस बाजार भी बंद रहेंगे। सिक्योरिटीज को उधार देना और लेना भी नहीं होगा। बता दें कि 25 मार्च से लेकर 29 मार्च तक भारतीय शेयर बाजार केवल तीन सत्र के लिए ही खुला। 25 मार्च को होली थी और शुक्रवार को गुड फ्राइडे के कारण बाजार बंद हैं। वहीं 30 मार्च शनिवार और 31 मार्च रविवार को भी बाजार में कारोबार नहीं होगा। अब शेयर बाजार में कारोबार सोमवार 1 अप्रैल से शुरू होगा। 1 अप्रैल से देश का नया वित्त वर्ष 2024-2025 भी शुरू हो जाएगा। वहीं इस साल भारतीय स्टॉक

एक्सचेंजों में वीकली ऑफ को छोड़कर कुल 10 कारोबारी छुट्टियां रहेंगी। अप्रैल में बाजार दो दिन बंद रहेंगे जबकि मई, जून, जुलाई, अगस्त, अक्टूबर, नवंबर और दिसंबर में एक-एक छुट्टी रहेगी। 10 या 11 अप्रैल- ईद उल फितर, 17 अप्रैल- राम नवमी, 1 मई- महाराष्ट्र दिवस, 17 जून- बकरीद, 17 जुलाई- मुहर्रम, 15 अगस्त- स्वतंत्रता दिवस, 2 अक्टूबर- महात्मा गांधी जयंती, 1 नवंबर- दिवाली लक्ष्मी पूजन, 15 नवंबर- गुरुनानक जयंती और 25 दिसंबर- क्रिसमस को शेयर बाजार में कारोबार नहीं होगा।

एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस को मिले जीएसटी मांग के आदेश

मुंबई । एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी ने कहा कि कंपनी को कथित रूप से कर के कम भुगतान के लिए 27 करोड़ से अधिक के जीएसटी मांग के आदेश (ऑर्डर) मिले हैं। दो अलग-अलग नियामकीय सूचनाओं में, बीमाकर्ता ने कहा कि कंपनी को जीएसटी के कथित कम भुगतान और इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) दावे के बेमेल होने के लिए अधिकारियों से 16.5 करोड़ रुपए और 10.5 करोड़ रुपए से अधिक के कर मांग आदेश प्राप्त हुए हैं। मांग आदेशों में ब्याज और जुर्माना भी शामिल है। कंपनी ने कहा कि वह जीएसटी मांग आदेश के खिलाफ अपीलीय प्राधिकरण के समक्ष अपील दायर करेगी।

2000 रुपये के नोट 1 अप्रैल को नहीं बदले जाएंगे- आरबीआई

नई दिल्ली । भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने घोषणा की है कि सोमवार 1 अप्रैल को, 2,000 रुपये के बैंक नोटों का एक्सचेंज या डिपॉजिट देश भर में उसके 19 इश्यू ऑफिसों में उपलब्ध नहीं होगा। इसका कारण खातों के वार्षिक समापन से संबंधित गतिविधियां हैं। यह रोक केवल 1 अप्रैल, 2024 के लिए है। 2 अप्रैल, 2024 से आप 2000 रुपये के नोटों को पहले की तरह बदल और जमा कर पाएंगे। आरबीआई ने बयान दिया, 1 अप्रैल 2024 को 2000 रुपये के नोटों को बदलने या जमा करने की सुविधा उपलब्ध नहीं होगी। यह रोक खातों के सालाना समापन से जुड़े कार्यों के कारण लागू की जा रही है। आरबीआई ने 19 मई, 2023 को 2,000 रुपये के नोटों को वापस लेने की घोषणा की थी। 29 फरवरी, 2024 तक, लगभग 97.62 फीसदी नोट बैंकिंग प्रणाली में वापस आ गए थे। 2,000 रुपये के नोटों का 2.38 फीसदी (लगभग 8,470 करोड़ रुपये) अभी भी जनता के पास है। 2000 रुपये के नोट बदलने या जमा करने की अंतिम तिथि 7 अक्टूबर 2023 थी। यदि आपके पास अभी भी 2000 रुपये के नोट हैं, तो आप उन्हें देश भर में स्थित आरबीआई कार्यालय जमा कर सकते हैं या आरबीआई ऑफिस में भारतीय डाक के माध्यम से 2000 रुपये के नोट भेज सकते हैं। नोटों को आपके बैंक खाते में जमा किया जाएगा।आप अपने बैंक में जाकर 2000 रुपये के नोट बदल सकते हैं या जमा कर सकते हैं।

एलन मस्क ने एक्स को लेकर की बड़ी घोषणा

वाशिंगटन ।

एलन मस्क ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर हाई-प्रोफाइल उपयोगकर्ताओं के लिए एक नए लाभ की घोषणा की। मस्क ने घोषणा की कि जिन एक्स अकाउंट होल्डर्स के 2,500 वेरिफाइड सब्सक्राइबर फॉलोअर होगा, उन्हें प्रीमियम फीचर्स फ्री मिलने वाले है। वहीं जिन अकाउंट होल्डर्स के 5,000 होंगे, उन्हें प्रीमियम+ फ्री मिलेगा। इस तरह अब बहुत से एक्स यूजर्स को मुफ्त में ब्लू टिक पाने का मौका मिलेगा। हालांकि यह एक पेड सर्विस है और यूजर्स को इसके लिए हर महीनें रुपये खर्च करने पड़ते हैं। दरअसल, एक्स प्रीमियम प्लान की कीमत 650 रुपये महीना है और सलाना की कीमत 6800 रुपये है।

जैसा कि मस्क ने उल्लेख किया है, 2,500 से अधिक वेरिफाइड कस्टमर वाले अकाउंट्स को प्रीमियम लेवल तक पहुंच मिलेगी। हालांकि पूरी जानकारी की घोषणा नहीं की गई है, लेकिन वर्तमान पेशकशों के आधार पर, प्रीमियम भत्तों में पोस्ट के लिए विस्तारित वर्ण सीमा शामिल होने की संभावना है। प्रीमियम ग्राहक 3 घंटे तक लंबे और 8 जीबी फाइल आकार तक के वीडियो भी अपलोड कर सकते हैं (केवल आईओएस के लिए एक्सडॉट काम और एक्स पर)। इसके अलावा, एक प्रीमियम ग्राहक के रूप में, आप समान रुचियों वाले लोगों से जुड़ने के लिए एक्स पर एक समुदाय बना सकते हैं। प्रीमियम टियर सब्सक्राइबर्स को फॉर यू

और फॉलोइंग टाइमलाइन में लगभग 50 प्रतिशत कम विज्ञापन दिखाई देते हैं। हालांकि मस्क की ऊपर बताई गई शर्तों को पूरा करने के बाद ही आप फ्री में ये प्लान इस्तेमाल कर सकते हैं। सबसे बड़े प्रभावशाली लोगों, जिनके पास 5,000 से अधिक सत्यापित ग्राहक हैं, को प्लेटफ़ॉर्म का उच्चतम स्तर, प्रीमियम+ प्राप्त होगा। इसमें संभावित रूप से सभी प्रीमियम सुविधाओं के साथ-साथ अतिरिक्त लाभ भी शामिल हैं, जैसे नियमित उपयोगकर्ताओं के लिए मुद्रीकरण विकल्प उपलब्ध नहीं हैं, जिनमें संभावित रूप से केवल-ग्राहक सामग्री या सुविधाएं शामिल हैं। उन्हें एक्स पर उन्नत चैटबॉट सहायक ग्रोकएआई तक भी पहुंच मिलती है।

पेट्रोल-डीजल की नई कीमतें जारी

नई दिल्ली ।

तेल कंपनियों ने 29 मार्च को पेट्रोल और डीजल के ताजा भाव जारी कर दिया है। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में शुक्रवार को कोई बदलाव नहीं आया है। शुक्रवार को पेट्रोल-डीजल की कीमतें एक समान हैं और जनता को कोई राहत नहीं मिली है। देश के महानगरों में पेट्रोल-डीजल के दाम- दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 94.76 रुपये और डीजल 87.66 रुपये प्रति लीटर है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 104.19 रुपये और डीजल 92.13 रुपये प्रति लीटर है। कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.93 रुपये और डीजल 90.74 रुपये प्रति लीटर है। चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.73 रुपये और डीजल 92.32 रुपये प्रति लीटर है। बेंगलुरु में पेट्रोल की कीमत 99.84 रुपये और डीजल 85.93 रुपये प्रति लीटर है। अन्य शहरों में पेट्रोल-डीजल के ताज़ा भाव- नोएडा में पेट्रोल 94.81 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.96

रुपये प्रति लीटर, गुरुग्राम में पेट्रोल 95.19 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.05 रुपये प्रति लीटर, चंडीगढ़ में पेट्रोल 94.24 रुपये प्रति लीटर और डीजल 82.4 रुपये प्रति लीटर, हैदराबाद में पेट्रोल 107.39 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.63 रुपये प्रति लीटर, जयपुर में पेट्रोल 104.86 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.34 रुपये प्रति लीटर, पटना में पेट्रोल 105.18 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.04 रुपये प्रति लीटर, लखनऊ में पेट्रोल 94.65 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.76 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है।

देश के प्रमुख आठ शहरों में नई आवासीय आपूर्ति जनवरी-मार्च में 15 फीसदी घटी

नई दिल्ली ।

देश के आठ प्रमुख शहरों में जनवरी-मार्च में आवासीय संपत्तियों की नई इकाइयों की आपूर्ति 15 प्रतिशत गिरकर 69,143 इकाई रह गई। एक रियल एस्टेट सलाहकार ने आठ प्रमुख शहरों की प्राथमिक (पहली बिक्री) में नई आवासीय संपत्तियों की आपूर्ति से जुड़े आंकड़े शुक्रवार को जारी किए। आंकड़ों के अनुसार नई इकाइयों की आपूर्ति बेंगलुरु और मुंबई में बढ़ी लेकिन दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर), चेन्नई, हैदराबाद, पुणे, कोलकाता तथा अहमदाबाद में इसमें गिरावट आई। इस तिमाही (जनवरी-मार्च) में आवासीय संपत्तियों की कुल आपूर्ति में हाई-एंड एंड लग्जरी खंड की हिस्सेदारी 34 प्रतिशत रही। चालू तिमाही में कुल पेशकश में सूचीबद्ध, बड़े तथा क्षेत्रीय रूप से प्रतिष्ठित डेवलपर्स की हिस्सेदारी 38 प्रतिशत से अधिक रही। आंकड़ों के अनुसार, जनवरी-मार्च 2024 में आवासीय संपत्तियों की नई आपूर्ति एक साल पहले की समान अवधि में 81,167 इकाइयों से घटकर इस साल 69,143 इकाई रह गई। उन्होंने कहा कि पिछले एक वर्ष में हाई-एंड एंड लग्जरी संपत्तियों की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह बदलाव मकान खरीदने वालों की उच्च गुणवत्ता वाली संपत्ति के रूप में निवेश करने की बढ़ती इच्छा में बदलाव और उनकी जीवन शैली की आकांक्षाओं को दिखाता है।

73 साल के बुजुर्ग को गाना गाते देख फैन हो गए थार कंपनी के मालिक

- एक वीडियो शेयर किया, जिसमें बुजर्ग को जवानिया ये मस्त मस्त गाते देखा जा सकता है

नई दिल्ली ।

थार व स्कोर्पियो बनाने वाली कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा के चेयरमैन आनंद महिंद्रा सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहते हैं। वह आए दिन कोई सीख, फनी वीडियो या अन्य कई तरह की चीजें शेयर करते रहते हैं। उन्होंने हाल ही में एक और वीडियो शेयर किया है जिसमें एक बुजुर्ग व्यक्ति को गाना गाते देखा जा सकता है। इन शख्स का नाम डॉ. सुरेश नांबियार है और वह 73 वर्ष के हैं। यह वीडियो आईसीआईसीआई बैंक के एक कार्यक्रम का है जिसका आयोजन पिछले साल किया गया था। आनंद महिंद्रा ने माइक्रो-ब्लॉगिंग साइट एक्स पर यह वीडियो शेयर किया है। महिंद्रा ने डॉ. नांबियार की उनकी प्रतिभा की सराहना की, और उन्हें हमें अपने जुनून को आवाज देने की याद दिलाने के लिए धन्यवाद दिया। इस वीडियो में डॉ. नांबियार को 1986 का क्लासिक गाना जवानिया ये मस्त मस्त गाते हुए देखा जा सकता है। उनके साथ वीडियो में जाने-माने गायक शान भी दिख रहे हैं। महिंद्रा द्वारा शेयर की गई इस वीडियो पर आईसीआईसीआई बैंक ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है. डॉ. नांबियार ने आईशाइन गायन श्रेणी प्रतियोगिता जीती थी।इस क्लिप को एक्स पर साझा किया गया

और इसे एक्स पर 1 लाख से अधिक बार देखा जा चुका है। डॉ. नांबियार ने 2023 में यह वीडियो अपने यूट्यूब चैनल पर वीडियो पोस्ट किया था।

उन्होंने वीडियो का शीर्षक दिया, आईसीआईसीआई आईशाइन गायन प्रतियोगिता। यूट्यूब पर उनके 2000 से ज्यादा सब्सक्राइबर हैं। डॉ. सुरेश नांबियार ने संयुक्त अरब अमीरात में एक चिकित्सा व्यवसायी के रूप में काम किया और वर्तमान में एक सेवानिवृत्त व्यक्ति हैं।

आईपीओ के जरिए केनेरा रोबेको एएमसी में बेचेगा हिस्सेदारी

नई दिल्ली ।

केनरा बैंक ने अपनी सहायक कंपनी केनेरा रोबेको एसेट मैनेजमेंट में 13 प्रतिशत इक्विटी शेयर बेचने की योजना बनाई है। सार्वजनिक क्षेत्र के ऋणदाता ने एक्सचेंजों को एक फाइलिंग में कहा कि उसने प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के माध्यम से 13 प्रतिशत हिस्सेदारी कम करने की प्रक्रिया शुरू करने की मंजूरी दे दी है। हालांकि, प्रस्तावित आईपीओ पर भारतीय रिजर्व बैंक और भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के तहत वित्तीय सेवा विभाग से मंजूरी मिलना अभी बाकी है। बता दें कि केनरा बैंक ने दिसंबर 2023 में आईपीओ के जरिए अपनी म्यूचुअल फंड सहायक कंपनी को लिस्ट करने की प्रक्रिया शुरू करने के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी थी। यदि केनरा रोबेको एसेट मैनेजमेंट कंपनी शेयर बाजार में लिस्ट होती है तो यह पांचवां लिस्टेड म्यूचुअल फंड हाउस होगा।

एचडीएफसी एसेट मैनेजमेंट कंपनी, यूटीआई एसेट मैनेजमेंट कंपनी, आदित्य बिड़ला सन

लाइफ एएमसी और निप्पॉन लाइफ इंडिया एसेट मैनेजमेंट पहले से लिस्टेड 4 म्यूचुअल फंड हाउस हैं।

केनरा रोबेको एएमसी की स्थापना 1993 में हुई थी और इसे कैनबैंक म्यूचुअल फंड के नाम से जाना जाता था। 2007 में केनरा बैंक ने रोबेको समूह के साथ एक संयुक्त उद्यम (जेवी) साझेदारी में प्रवेश किया और म्यूचुअल फंड का नाम बदलकर केनरा रोबेको म्यूचुअल फंड कर दिया गया। बता दें कि रोबेको ओरिक्स कारपोरेशन (जापान) का हिस्सा है।

नए एक्सटेक स्पोर्ट्स वेरिएंट पेश

-कीमत 80 हजार रुपए से कम

नई दिल्ली । हाल ही में हीरो मोटोकार्प ने नए एक्सटेक स्पोर्ट्स वेरिएंट को पेश किया है।इसे टॉप-रेंज एक्सटेक कनेक्टेड और स्टैंडर्ड एक्सटेक ट्रिम्स के बीच रखा गया है। इस नए मॉडल की कीमत 79,738 (एक्स-शोरूम, दिल्ली) रखी गई है। एक्सटेक स्पोर्टस को अलग लुक देने के लिए इसे नए पेंट स्कीम और यूनिक ग्राफिक्स के साथ पेश किया गया है। ये उन राइडर्स के लिए खास है जो स्पोर्टी स्टाइल वाला स्कूटर चाहते हैं। एक्सटेक स्पोर्टस वेरिएंट में इसे अलग दिखाने के लिए इसमें एब्राक्स ऑरेंज ब्लू कलर स्कीम दिया गया है। इस स्कूटर में ब्लू इसका प्राइमरी कलर है और ब्लू को ऑरेंज शेड्स को कॉम्प्लिमेंट कर रहे हैं। साथ ही यहां साइड पैनल, फ्रंट एप्रन और फ्रंट फेंडर पर नंबर 18 भी कॉम्प्लिमेंट कर रहा है। इसके अलावा इस वेरिएंट में रेगुलर मॉडल्स से अलग दिखाने के लिए व्हील्स में ऑरेंज पिनस्ट्रिप्स और बॉडी कलर्ड ग्रैब रेल और मिरर्स दिए गए हैं। हालांकि, नए लुक के अलावा एक्सटेक स्पोर्टस टेक्निकल तौर पर बाकी एक्सटेक वेरिएंट्स जैसा ही है। इसमें 110.9सीसी इंजन दिया गया है जो 8बीएचबी की पावर और 8.7 एनएम का टॉक जनरेट करता है। यहां सीवीटी ट्रांसमिशन मिलता है। ये स्कूटर लाइटवेट है। इसका वजन 106 किग्रा है। प्लीजर प्लस एक्सटेक स्पोर्टस में सेमी-डिजिटल कंसोल दिया गया है। जो एलसीडी स्क्रीन पर कॉल और एसएमएस रिसीव करने के लिए ब्लूटूथ कनेक्टिविटी से इक्विप्ड है। इस मॉडल में यूनिक प्रोजेक्टर एलईडी हेडलैम्प दिया गया है। जो इस कैटेगरी में एक रेयर एडिशन है।इसकी फ्यूल टैंक कैपेसिटी 4.8 लीटर की है। इसमें 10-इंच व्हील्स, टेलिस्कोपिक फोर्क्स, एक मोनोशॉक और कंबाइंड ब्रेकिंग सिस्टम के साथ दोनों एंड पर ड्रम ब्रेक्स दिए गए हैं।

वीवो टी3 5जी फोन मिल रहा डिस्काउंट में

-एसबीआई कार्ड और एचडीएफसी कार्ड मिल रही छूट

नईदिल्ली ।

पिछले हफ्ते वीवो टी3 5जी फोन लॉन्च किया गया था। इस धांसू फोन की पहली सेल रखी गई है। अगर आपके पास एसबीआई कार्ड और एचडीएफसी कार्ड है तो आप फोन की खरीद पर 2,000 रुपये का फ्लैट डिस्काउंट पा सकेंगे। एक्सचेंज ऑफर के तहत भी फोन पर 2,000 रुपये का डिस्काउंट मिल जाएगा। वीवो के इस फोन की सबसे खास बात इसका 50 मेगापिक्सल का सोनी आईएमएक्स 822 प्राइमरी कैमरा और 44 वॉट फास्ट चार्जिंग सपोर्ट दिया गया है। ग्राहक इस फोन को कॉस्मिक ब्लू और क्रिस्टल फ्लेक कलर ऑप्शन में खरीद सकते हैं। फीचर्स के तौर पर वीवो टी3 5जी में 6.67-इंच का एफएचडी+ अमोलेड डिस्प्ले दिया गया है। इसका डिस्प्ले 120 एचझेड रिफ्रेश रेट और 1800 निट्स की पीक ब्राइटनेस के साथ आता है। इस स्मार्टफोन में 8जीबी रैम और 256जीबी स्टोरेज दी गई है। ये फोन एंड्राएड 14 पर बेस्ड फनटच ओएस 14 पर काम करता है। साथ ही इसमें मीडियाटेक डायमेंसिटी 7200 5जी प्रोसेसर मौजूद है।

पावर के लिए वीवो के इस फोन में 5,000 एमएएच की बैटरी मिलती है और ये 44वॉट फास्ट चार्जिंग सपोर्ट के साथ आती है।कैमरे के तौर पर वीवो के इस लेटेस्ट फोन में 50 मेगापिक्सल का सोनी आईएमएक्स82 प्राइमरी कैमरा ओआईएस, 4के वीडियो रिकॉर्डिंग, 2एक्स पोर्ट्रेट जूम और सुपर नाइट मोड मिलता है। इसके अलावा इसमें एक 2 मेगापिक्सल का बोके कैमरा भी ग्राहकों के लिए मौजूद है। सेल्फी के लिए इस फोन के फ्रंट में 16 मेगापिक्सल का कैमरा दिया गया है।

पंजाब के खिलाफ लखनऊ को जीत के लिए करने होंगे ऑलराउंडर प्रयास

बेंगलुरु (एजेंसी)। केएल राहुल की अगुआई वाली लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम जब शनिवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के दूसरे मैच में पंजाब किंग्स से भिड़ेगी तो उसकी निगाहें हर विभाग में बेहतर प्रदर्शन करने पर लगी होगी।

लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) को चंडीगढ़ में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ पहले मैच में 20 रन से हार का सामना करना पड़ा था। इस मैच में क्रुणाल पंड्या को छोड़कर लखनऊ के सभी गेंदबाजों ने रन लुटाये थे और वे प्रभावित नहीं कर सके। मार्क वुड और डेविड विली की अनुपस्थिति में एलएसजी के तेज गेंदबाज कमजोर दिखे जिसमें मोहसिन खान, नवीन उल हक और यश ठाकुर से जिम्मेदारी उठाने की उम्मीद थी।

आगामी टी20 विश्व कप टीम में जगह बनाने की मुहिम में जुटे रवि बिश्नोई टीम के आईपीएल में शुरूआती मैच में साधारण दिखे। कप्तान राहुल ने भी टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए विकेटकीपर बल्लेबाज की भूमिका निभाने का फैसला किया और वापसी वाले मैच में 58 रन की पारी खेली जिससे वह अगले मैच में इससे और बेहतर करना चाहेंगे। साथ ही वह उम्मीद करेंगे कि उनकी सलामी जोड़ीदार क्विंटन डिकॉक पंजाब किंग्स के खिलाफ अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में वापसी करे। टीम को देवदत्त पडीक्कल, आयुष बडोनी, दीपक हुड्डा और क्रुणाल से भी निचले क्रम में अच्छे प्रदर्शन की आसहोगी।

एलएसजी की सफलता आस्ट्रेलियाई आल राउंडर मार्कस स्टोइनिस की फॉर्म पर भी निर्भर होगी जो पिछले साल 408 रन बनाकर टीम के लिए सर्वाधिक रन जुटाने वाले खिलाड़ी रहे थे। वहीं पंजाब किंग्स ने अभी तक दो में एक में जीत हासिल की जबकि एक में उसे हार मिली। शिखर धवन की अगुआई वाली टीम को पावरप्ले में रन गति में तेजी लाने की जरूरत है और ऐसा तभी होगा जब पहले दो मैच में विफल रहने वाले जॉनी बेयरस्टो धमाकेदार बल्लेबाजी करें।

सिर्फ आईपीएल में खेलने वाले धवन को भी आगे अपने स्ट्राइक रेट में तेजी लाने की जरूरत है। उन्होंने खुद ही स्वीकार किया था कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ बल्लेबाजी धीमी रही थी। प्रभसिमरन सिंह अच्छी शुरूआत को बड़े स्कोर में नहीं बदल पाये हैं। वहीं आल राउंडर सैम करन ने दोनों मैच में बल्ले से अपना कौशल दिखाया है लेकिन वह गेंदबाजी में ऐसा कमाल नहीं कर पाये हैं। उप कप्तान जितेश शर्मा भी टी20 विश्व कप के लिए टीम में जगह बनाने की कोशिश में जुटे हैं लेकिन राष्ट्रीय चयनकर्ताओं को लुभाने के लिए उन्हें भी अच्छा प्रदर्शन दिखाना होगा।

तेज गेंदबाजी विभाग में कागिसो रबाडा को करन, अर्शदीप सिंह और हर्षल पटेल से और अधिक सहयोग की उम्मीद होगी। बायें हाथ के स्पिनर हरप्रीत बरार प्रभावी रहे जबकि लेग स्पिनर राहुल चाहर को अच्छी गेंदबाजी करनी होगी।

टीम

लखनऊ सुपर जाइंट्स- केएल राहुल (कप्तान), क्विंटन डी कॉक, निकोलस पूरण, आयुष बडोनी, काइल मेयर्स, मार्कस स्टोइनिस, दीपक हुडा, देवदत्त पडिक्कल, रवि बिश्नोई, नवीन-उल-हक, क्रुणाल पंड्या, युद्धवीर सिंह, प्रेरक मांकड़, यश ठाकुर, अमित मिश्रा, शमर जोसेफ, मयंक यादव, मोहसिन खान, के. गौतम, शिवम मावी, अर्शिन कुलकर्णी, एम. सिद्धार्थ, एश्टन टर्नर, मोहम्मद अरशद खान

पंजाब किंग्स- शिखर धवन (कप्तान), मैथ्यू शॉर्ट, प्रभसिमरन सिंह, जितेश शर्मा, सिकंदर रजा, ऋषि धवन, लियाम लिविंगस्टोन, अथर्व तायडे, अर्शदीप सिंह, नाथन एलिस, सैम करन, कागिसो रबाडा, हरप्रीत बरार, राहुल चाहर, हरप्रीत भाटिया , विद्वथ कावेरप्पा, शिवम सिंह, हर्षल पटेल, क्रिस वोक्स, आशुतोष शर्मा, विश्वनाथ प्रताप सिंह, शशांक सिंह, तनय त्यागराजन, प्रिंस चौधरी, रिले रोसोऊ।

बोपन्ना-इबडेन की जोड़ी मियामी ओपन के फाइनल में पहुंची, इवान-ऑस्टिन से होगा खिताबी मुकाबला

मियामी (एजेंसी)। भारत के स्टार टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और उनके ऑस्ट्रेलियाई जोड़ीदार मैथ्यू इबडेन की जोड़ी ने यहां मार्सेल ग्रैनोलर्स और होरासियो जेबालोस पर सीधे सेट में जीत से मियामी ओपन के पुरुष युगल फाइनल में प्रवेश किया।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन के विजेता बोपन्ना और इबडेन को गुरुवार रात सेमीफाइनल में स्पेन के ग्रैनोलर्स और अर्जेंटीना के जेबालोस की जोड़ी पर 6-1 6-4 की जीत के दौरान जरा भी पसीना नहीं बहाना पड़ा। फाइनल में बोपन्ना और इबडेन का सामना क्रोएशिया के इवान डोडिग और अमेरिका के ऑस्टिन क्राजिसेक की जोड़ी से होगा जिन्होंने दूसरे सेमीफाइनल में जर्मनी के केविन क्रावेट्ज और टिम पुट्ज की जोड़ी को 6-4 6-7(7) 10-7 से मात दी।

बोपन्ना दुबई चैम्पियनशिप के क्वार्टरफाइनल में मिली हार और इंडियन वेल्स मास्टर्स के राउंड 32 से बाहर होने से युगल रैंकिंग में दूसरे स्थान पर खिसक गये थे लेकिन इस जीत से उन्हें सोमवार को अपडेट होने वाली रैंकिंग में फिर से शीर्ष स्थान पर पहुंचने में मदद मिलेगी। आस्ट्रेलियाई ओपन की जीत के बाद 44 वर्षीय बोपन्ना एटीपी रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज होने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए थे।

बोपन्ना के लिए यह उनका 14वां एटीपी मास्टर्स 1000 फाइनल और मियामी का पहला फाइनल होगा। यह उनका एटीपी टूर स्तर का 63वां फाइनल होगा। वह अभी तक 25 युगल खिताब जीत चुके हैं। बोपन्ना और इबडेन की जोड़ी का यह एटीपी मास्टर्स 1000 का पांचवां फाइनल होगा। बोपन्ना ने साथ ही एक और उपलब्धि भी अपने नाम की, वह लिएंडर पेस के बाद सभी नौ एटीपी मास्टर्स टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने वाले दूसरे भारतीय बन गए।

यह शायद मेरा सर्वश्रेष्ठ आखिरी ओवर था, दिल्ली के खिलाफ जीत के बाद बोले आवेश खान

जयपुर (एजेंसी) । राजस्थान रॉयल्स के तेज गेंदबाज आवेश खान को लगता है कि आईपीएल मैच में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ उन्होंने जो आखिरी ओवर फेंका था वह शायद डेथ ओवरों में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रयास था। भारत के तेज गेंदबाज को गुरुवार रात आखिरी ओवर में 17 रनों का बचाव करना था और वह एक के बाद एक यॉर्कर डालते हुए आराम से ऐसा करने में सफल रहे। दिल्ली उस ओवर में केवल चार रन ही बना सकी जिससे घरेलू टीम की 12 रन से जीत सुनिश्चित हो गई। सीजन में, लखनऊ सुपर जाइंट्स ने आवेश को रॉयल्स के साथ ट्रेड किया था। आवेश ने कहा, 'यह पहली बार नहीं है कि मैंने आखिरी ओवर फेंका है। पिछले साल मैंने राजस्थान के खिलाफ बचाव किया था। जब मैं दिल्ली के लिए खेला था (वहां आखिरी ओवर भी फेंका था), यह मेरा सर्वश्रेष्ठ ओवर था। सभी गेंदें एक ही स्थान पर थीं, वाइड यॉर्कर।' 27 वर्षीय खिलाड़ी ने यह भी बताया कि जब वह एलएसजी के लिए आए थे तो पिछले सीज़न की तुलना में उनकी भूमिका कैसे बदल गई है। उन्होंने कहा, 'लखनऊ और डीसी में मैं पहले एक ओवर या पावरप्ले में दो ओवर गेंदबाजी करता था। यहां मैं पावरप्ले के बाद दो ओवर गेंदबाजी करता हूं और डेथ ओवर में भी मुझे गेंदबाजी करने का मौका मिलता है। टीम प्रबंधन और संजू (सैमसन) गेंदबाजी करने की आजादी देते हैं। योजनाएं और उससे मदद मिल रही है। संजू गेंदबाजों के कप्तान हैं।' अवेश ने कहा, 'आज रात कोई ओस कारक नहीं था और इससे मुझे सटीक होने में मदद मिली। ओस कभी-कभी प्रभावित कर सकती है।'

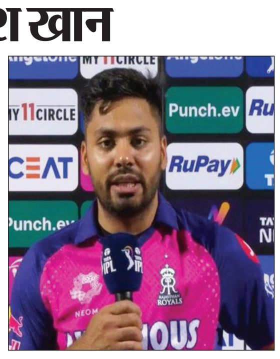

हैदर नाइट और नेट साइवर के दम पर इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को 5 विकेट से हराया

वेलिंगटन (एजेंसी)। कप्तान हैदर नाइट की 35 रनों की पारी और नेट साइवर ब्रंट हरफनमौला प्रदर्शन के दम पर इंग्लैंड की महिला टीम ने शुक्रवार को खेले गये पांचवें टी-20 मुकाबले में न्यूजीलैंड की महिला टीम को पांच विकेट से हराकर सीरीज 4-1 से जीत ली है। इंग्लैंड की टीम ने 137 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए तीसरे ओवर में माया बूशेर छह रन का विकेट खोया। आठवें ओवर में ऐलिस कैप्सी भी 25 रन और उसके बाद डेनिएल वायट ने 21 रन बनाकर आउट हो गई। उस समय टीम का स्कोर तीन विकेट पर 64 रन था।

नेट साइवर ब्रंट और कप्तान हैदर नाइट ने पारी को संभालते हुए स्कोर को 121 रन तक ले गई। ब्रंट ने 27 गेंदों में 31 रन बनाये। वहीं हैदर नाइट ने टीम के लिए 28 गेंदों मे सर्वाधिक 35 रनों की पारी खेली। एमी जोंस और सोफिया डंकली छह-छह रन बनाकर नाबाद रही। इंग्लैंड ने 18.5 ओवर में पांच विकेट पर 138 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। न्यूजीलैंड की ओर से एमेलिया केर ने तीन विकेट लिए। लियाह तहुहू और रोजमेरी मेयर ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। न्यूजीलैंड की महिला टीम ने आज यहां टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी यूजीलैंड की शुरुआत खराब रही

और उसने अपने चार विकेट 31 के स्कोर पर गवां दिए। सूजी बेट्स 11 रन, बर्नडीन बिजुदिनाउट एक रन, कप्तान एमेलिया केर पांच रन, जॉर्जिया प्लिमर 12 रन, और मैडी ग्रीन 10 रन बनाकर आउट हुई। ब्रूक हैलिडे और इसाबेला गेज ने न्यूजीलैंड की पारी को संभाला और छठे विकेट लिये 56 रनों की साझेदारी की। यह न्यूजीलैंड की ओर से छठे विकेट के लिये सबसे बड़ी साझेदारी है। हैलिडे ने 33 रन बनाए। गेज ने 28 गेंदों में छह चौके और एक छक्के की मदद से नाबाद 51 रनों की पारी खेली। जेस केर छह रन बनाकर नाबाद रही। न्यूजीलैंड की टीम ने गेज की शानदार पारी की बदौलत निर्धारित 20 ओवर में छह विकेट पर 136 रनों का स्कोर खड़ा किया। इंग्लैंड की ओर से सोफी एकल्सटन ने तीन विकेट लिये। नेट साइवर ब्रंट को दो विकेट मिले। शार्लेट डीन ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

एंडी मरे मोंटे कार्लो और म्यूनिख में क्ले कोर्ट टूर्नामेंट नहीं खेलेंगे

लंदन - एंडी मरे मियामी ओपन मे लगी टखने की चोट के कारण लंबे समय तक टेनिस से दूर रहेंगे जिससे तीन बार के ग्रैंडस्लैम चैम्पियन की प्रबंधन टीम ने शुक्रवार को पुष्टि की कि वह मोंटे कार्लो और म्यूनिख में आगामी क्ले कोर्ट टूर्नामेंट में नहीं खेल पाएंगे। मोंटे कार्लो मास्टर्स सात अप्रैल से शुरू होगा जबकि म्यूनिख में बीएमडब्ल्यू ओपन अगले हफ्ते से खेला जाएगा। मियामी ओपन के एक मैच के दौरान रविवार को उनके बाएं टखने की मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था और इस 36 साल के खिलाड़ी ने अगले दिन घोषणा की कि वह लंबे समय तक टेनिस नहीं खेल पाएंगे। उनकी प्रबंधन टीम के बयान के अनुसार, 'इस समय अभी तक स्पष्ट नहीं है कि एंडी कितने लंबे समय तक टेनिस से दूर रहेंगे। वह अपनी चिकित्सा टीम के साथ विकल्पों की समीक्षा जारी रखेंगे।' इसमें कहा गया, 'निश्चित रूप से यह एंडी के लिए बहुत ही निराशाजनक खबर है और उन्होंने दोहराया है कि वह जितना जल्दी हो सके कोर्ट पर वापसी करने के इच्छुक हैं।' मरे रविवार को टोमास माचाक के खिलाफ मैच में टखना मुड़ा बैठे थे और यह मुकाबला 5-7, 7-5, 7-6(5) से हार गए थे।

दूसरी हार के बाद मुंबई इंडियंस के कप्तान ने खिलाड़ी में भरा जोश

हैदराबाद। आईपीएल मैच में इंडियन सनराइजर्स हैदराबाद से हारने के बाद मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या ने अपनी टीम का आत्मविश्वास बढ़ाने की कोशिश की। हार्दिक ने सोशल मीडिया हैंडल पर एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें उन्होंने टीम की लगातार दूसरी हार के बाद अपनी टीम को हिम्मत दी है और लिखा कि टीम से बुरी या अच्छी स्थिति में एक-दूसरे की मदद करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि सबसे कठिन सैनिकों की ही सबसे कठिन परीक्षा होती है। हार्दिक ने कहा कि सबसे कठिन सैनिकों को सबसे कठिन परीक्षा मिलती है, हम इस टूर्नामेंट में सबसे कठिन टीम हैं, कोई भी जो बल्लेबाजी समूह के रूप में हम जहां तक ??पहुंचे है उसके करीब पहुंच सकता है या कुल मिलाकर हम ही हैं - आइए यह तय करें कि हम एक-दूसरे की मदद करेंगे; खराब या अच्छा। हम साथ रहेंगे। बुधवार को इंडियन सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेले मैच में मुंबई इंडियंस 31 रन से हार गया था। यह उसकी दूसरी हार थी। वहीं सचिन तेंदुलकर ने कहा कि मैच को लेकर कहा मैच अच्छा हुआ, भले ही मुंबई ने 277 रन दिए। उन्होंने कहा कि मुंबई ने अपनी पारी में अच्छी बल्लेबाजी की। तेंदुलकर ने कहा कि दूसरे हाफ में, 277 रन बनाने के बावजूद 10 ओवरों में कोई नहीं जानता था कौन जीतेगा। लक्ष्य हासिल किया जा सकता था। यह भी साफ है कि मुंबई इंडियंस ने अच्छी बल्लेबाजी की। सभी खिलाड़ी मजबूती से एक साथ रहें। अभी और भी कठिन क्षण आने वाले हैं, हम एक साथ रहेंगे और इसे आगे बढ़ाएंगे।

शॉ को टीम से बाहर करने पर नाराज हुआ ये पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर

नई दिल्ली (एजेंसी) । पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर टॉम मूडी ने कहा कि विकेटकीपर-बल्लेबाज पृथ्वी शॉ को दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) की प्लेइंग इलेवन से बाहर करने का कोई मतलब नहीं है। इतना ही नहीं उन्होंने सुझाव दिया कि डीसी को आगामी मैचों के लिए शॉ का चयन करना चाहिए। मूडी ने बताया कि जबकि शॉ हाल के सीजन में अप्रभावी रहे हैं, उनके अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट अनुभव को देखते हुए रिकी भुई के स्थान पर उन्हें चुनना अधिक प्रशंसनीय विकल्प है।

मूडी ने कहा, इसका कोई मतलब नहीं है, क्योंकि आपके पास डगआउट में एक भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी (पृथ्वी शॉ) है। हां, मैं मानता हूं कि शॉ ने आईपीएल में वैसा प्रदर्शन नहीं किया जैसा हम सभी को उम्मीद थी कि वह करेगा, लेकिन उम्मीद है कि वह रन बनाएगा। वह डगआउट से रन नहीं बना पाएगा। शॉ को इस सीजन में दिल्ली के पहले दो मैचों के लिए बाहर कर दिया गया था। घरेलू क्रिकेट स्टार रिकी भुई ने अपने मौकों का फायदा नहीं उठाया और पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) और राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के खिलाफ क्रमश- 3 और 0 रन बनाए।

इसके साथ एक अन्य भारतीय खिलाड़ी वसीम जाफर ने इस पर आश्चर्य व्यक्त किया कि आईपीएल 2024 मिनी-नीलामी के लिए रखने के बावजूद दिल्ली ने शॉ को नहीं खिलाया। डीसी के शुरुआती दो मुकाबलों में इस आक्रामक सलामी बल्लेबाज को बाहर किए जाने के जवाब में वसीम ने कहा, अब जब उन्होंने उस पकड़ लिया है और उस नीलामी में नहीं जाने दिया है, तब मुझे आश्चर्य है कि वे उस नहीं खिला रहे हैं। वह ज्यादातर समय मुंबई के लिए खेला है। आप कल्पना करेंगे कि वह फिट है। मैं आश्चर्यचकित हूं। उसे दंडित करना और फिर गेम हारना आगे बढ़ने का तरीका नहीं है। शॉ को आईपीएल 2023 में घटिया प्रदर्शन के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा। उन्होंने आठ पारियों में 13.25 की औसत से 106 रन बनाए।

ऋषभ पंत की अगुवाई वाली टीम आईपीएल 2024 में अपना खाता खोलने के लिए बेताब है और अब उनका अगला मुकाबला रविवार को मौजूदा चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से होगा।

फ्रांस ने पेरिस ओलंपिक के लिए विदेशी पुलिस और सैन्य मदद मांगी

पेरिस । फ्रांस का कहना है कि उसने 46 देशों से पूछा है कि क्या वे इन गर्मियों में पेरिस ओलंपिक की सुरक्षा में मदद के लिए दो हजार से अधिक पुलिस अधिकारी मुहैया कराने के लिए तैयार हैं। आयोजक संभावित हमलों के खिलाफ कड़ी सतर्कता बरतते हुए एक सदी में फ्रांसीसी राजधानी के पहले खेलों के लिए सुरक्षा योजना को अंतिम रूप दे रहे हैं। आंतरिक मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि विदेशी सुरक्षा सहायता के लिए अनुरोध जनवरी में किया गया था जिसमें लगभग दो हजार 185 सुरक्षाकर्मियों की मांग की गई थी। मंत्रालय ने कहा कि अधिकारियों से खेलों की सुरक्षा और 'दर्शकों के अनुभव' तथा 'अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने' में मदद मांगी गई है। मंत्रालय ने कहा, 'यह प्रमुख अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों के आयोजन के लिए मेजबान देशों का एक सामान्य दृष्टिकोण है।' इसमें कहा गया है कि फ्रांस ने 2022 में कतर में फुटबॉल विश्व कप में अपने 200 जवानों को भेजा था और पिछले साल फ्रांस द्वारा आयोजित रग्बी विश्व कप की सुरक्षा के लिए यूरोपीय देशों के 160 सुरक्षाबल आए थे। इसके अलावा सेना के जनरल स्टाफ के प्रवक्ता कर्नल पियरे गौडिलियेर ने कहा कि फ्रांसीसी रक्षा मंत्रालय ने अन्य देशों से 'छोटी संख्या' में सैन्य कर्मियों की मांग की है जो खोजी कुत्तों की टीमों सहित खेलों में 'बहुत विशिष्ट' कार्यों में मदद कर सकें। पोलैंड के रक्षा मंत्री ने कहा कि उनका देश पेरिस खेलों के लिए सैनिक भेजेगा।

तीनों प्रारूपों के साथ ही लीग क्रिकेट में नाम कमाना चाहते हैं शमार जोसेफ

जमैका (एजेंसी)। वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज शमार जोसेफ ने कहा है कि वह तीनों ही प्रारुपों में अपनी टीम की ओर से खेलना चाहते हैं। जोसेफ के अनुसार इसी लिए वह अपनी फिटनेस को बनाये रखने का प्रयास करते हैं। इस तेज गेंदबाज ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चोटिल होने के बाद भी गाबा टेस्ट में सात विकेट लेकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। जोसेफ के अनुसार वह तीनों प्रारूपों के साथ ही विश्वभर की टी20 लीग में भी खेलना चाहते हैं। वेस्टइंडीज के कई खिलाड़ियों की तरह ही वह भी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) और बिग बैश जैसे टी20 लीग में बेहतर प्रदर्शन करना चाहते हैं। आईपीएल लखनऊ सुपर जायंट्स टीम में मार्क वुड के विकल्प के तौर पर शामिल जोसेफ ने कहा कि मैं अपने कौशल को बढ़ाने के लिए दुनिया भर में खेलना पसंद करूंगा पर मुझे जब भी अवसर मिलेगा मैं वेस्टइंडीज की ओर से खेलने के लिए भी तैयार रहूंगा।

जोसेफ ने कहा कि अगले कुछ साल में उनकी फिटनेस से यह साबित होगा कि वह कितना क्रिकेट खेल पाएंगे। उन्होंने कहा कि मुझे अपनी फिटनेस पर भरोसा है और लगता नहीं है कि इससे मुझे कोई परेशानी होगी। मेरे सामने लंबा करियर है और ऐसे में फिटनेस काफी अहम होगी। मैं वेस्टइंडीज के लिए तीनों प्रारूपों में खेलना चाहूंगा। मैं निश्चित तौर पर उनके लिए समय निकालूंगा। उन्होंने अब तक के अपने करियर में गयाना अमेजन वॉरियर्स के लिए केवल दो टी20 मैच खेले हैं पर आईपीएल में उन्हें इस प्रारूप की बारिकियों को सीखने का अवसर मिलेगा। जोसेफ ने कहा कि यह लाल गेंद से सफेद गेंद क्रिकेट में अपने को ढालने के बारे में है। इसमें कुछ अन्य बदलाव भी होंगे और मुझे मिलने वाले हर अवसर से सीखने को मिलेगा। मैंने टेस्ट खेलने का आनंद लिया और अब मैं अपने सफेद गेंद के खेल में सुधार करूंगा। इस तेज गेंदबाज ने कहा कि मैं सभी अनुभवी खिलाड़ियों से बात कर रहा हूं, अनुभवी खिलाड़ियों से सीख रहा हूं और इस पल का आनंद ले रहा हूं।

जोसेफ को इस बात की खुशी है कि वह आईपीएल के दौरान जस्टिन लैंगर के इर्द गिर्द रहेंगे। उन्होंने कहा कि उन दिग्गजों और खिलाड़ियों के बीच रहना हमेशा बहुत अच्छा लगता है जो आपको प्रेरित करते हैं।

आयरलैंड में टी20 श्रृंखला खेलेगा पाकिस्तान, पीसीबी ने जारी किया शेड्यूल

इस्लामाबाद : पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने शुक्रवार को आयरलैंड के साथ तीन टी-20 मैचों की श्रृंखला की तारीखों का ऐलान कर दिया है। पीसीबी की घोषणा के अनुसार तीनों मुकाबले 10 से 14 मई तक डबलिन के कैसल एवेन्यू में खेले जाएंगे। इससे पहले दोनों देशों के बीच 2009 में टी-20 मैच खेला गया था। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) एक रिपोट में कहा गया है कि जुलाई 2020 में दो देशों के बीच टी-20 श्रृंखला निर्धारित की गई थी, लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण यह दौरा नहीं हो सका था। पाकिस्तान, अमेरिका और वेस्ट इंडीज में होने वाले आईसीसी पुरुष टी-20 विश्वकप 2024 के लिए अपनी तैयारी के मद्देनजर अपनी फॉर्म को बेहतर बनाने के लिए 12 टी-20 मैच खेलेगा। द मेन इन ग्रीन में पाकिस्तान के साथ 18 अप्रैल से शुरू होने वाली पांच टी-20 मैचों की श्रृंखला की न्यूजीलैंड की मेजबानी करेगा। आयरलैंड श्रृंखला के बाद पाकिस्तान 22 से 28 मई के बीच इंग्लैंड के साथ चार मैच खेलेगा।

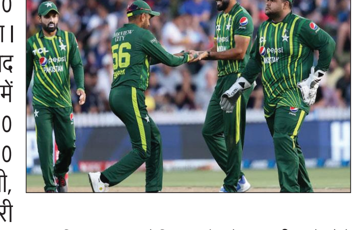

नीरज चोपड़ा 10 मई को दोहा डायमंड लीग से करेंगे सत्र का आगाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। मौजूदा ओलंपिक और विश्व चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा 10 मई को दिग्गज खिलाड़ियों के बीच प्रतिष्ठित डायमंड लीग सीरीज के दोहा चरण में अपने सत्र की शुरुआत करेंगे। छब्बीस साल के चोपड़ा ने पिछले सत्र का समापन चीन के हांगझोउ में एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक के साथ किया था। इस साल उनका लक्ष्य पेरिस में अपने ओलंपिक स्वर्ण का बचाव करने का होगा।

चोपड़ा के अलावा भारतीय खिलाड़ी किशोर जेना भी कतर की राजधानी में होने वाले डायमंड लीग चरण में पदार्पण करेंगे। जेना 2023 बुडापेस्ट विश्व चैंपियनशिप में पांचवें स्थान पर रहे और उन्होंने हांगझोउ में 87.54 मीटर के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ के साथ रजत पदक जीता था। चोपड़ा का मुकाबला चेक गणराज्य के जैकब वडलेज्च और ग्रेनेडा के पूर्व विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स जैसे प्रतिद्वंद्वियों से होगा। वडलेज्च तोक्यो ओलंपिक में रजत और 2023 विश्व चैंपियनशिप में कांस्य जीता था।

चोपड़ा ने कहा कि इस साल, मेरा व्यक्तिगत लक्ष्य अपने ओलंपिक खिताब की रक्षा करना है, लेकिन 90 मीटर की बाधा को पार करना भी मेरे लिए बहुत मायने रखेगा। दोहा चरण में अच्छी परिस्थितियों और शानदार माहौल के बीच सत्र को बेहतरीन तरीके से शुरू करने का अच्छा मौका होगा। चोपड़ा का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 89.94 मीटर है। उन्होंने कहा कि मैं दुनिया भर में और कतर में भारतीयों से मिलने वाले गर्मजोशी भरे समर्थन से हमेशा अभिभूत रहता हूं। मैं भाग्यशाली महसूस करता हूं कि इतने सारे लोग मेरा समर्थन करने आते है। मुझे उम्मीद है कि मैं अच्छे प्रदर्शन के साथ उनके विश्वास का बदला चुका सकूंगा।

दोहा मीट 2024 डायमंड लीग सीरीज का तीसरा चरण है। डायमंड लीग 4 अलग-अलग महाद्वीपों में कुल 15 चरण में आयोजित होता है। इसका आगाज 20 अप्रैल को जियामेन से हुआ जबकि ब्रुसेल्स (13-14 सितंबर) में इसके आखिरी चरण का आयोजन होगा। जियामेन और शंघाई में आयोजित पहली 2 डायमंड लीग चरण में पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा को शामिल नहीं किया गया था।

पूजा वस्त्राकर ने पहले शेयर की पीएम मोदी-शाह से जुड़ी विवादित पोस्ट, डिलीट कर मांगी माफी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट महिला टीम की ऑलराउडंर पूजा वस्त्राकर के इंस्टाग्राम से शुक्रवार को वसूली टाइटंस शीर्षक से एक पोस्ट शेयर हुई है। इस विवादित पोस्ट में पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, जेपी नड्डा और बीजेपी के कई नेता नजर आ रहे थे। हालांकि, जैसे ही ये पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हुई इसे तुरंत डिलीट कर दिया गया। फिर भी यूजर्स ने इसका स्क्रीनशॉट ले लिया और अब पूजा ट्रोल होने लगी। हालांकि, पूजा ने इसके लिए माफी भी मांगी है। इस पोस्ट को लेकर सोशल मीडिया पर लोग दो धड़ में बंट गए हैं। जहां एक तरफ कुछ लोग इसे सराह रहे हैं तो कुछ ने पूजा वस्त्राकर को इसके लिए ट्रोल करना शुरु कर दिया है।

अमेरिका 500 टन आम निर्यात करेगा भारत

अमेरिका जाएगा आम

अमेरिका को आमों का निर्यात करने से पहले उनका ट्रीटमेंट होना चाहिए, ताकि कीट, मक्खी व अन्य गंदगी साफ हो सके। पिछले साल भारत से अमेरिका को 209 टन आमों का निर्यात किया गया था। भारत दुनिया का सबसे बड़ा आम उत्पादक देश है। एपीडा के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस साल अमेरिका को आमों का कुल निर्यात 400-500 टन के बीच पहुंच सकता है। अप्रैल के पहले हफ्ते से 90 टन आमों का निर्यात किया जा चुका है।

मौजूदा सीजन में भारत से अमेरिका को आमों का निर्यात नया रिकॉर्ड बना सकता है। एग्रीकल्चरल एंड प्रोसेस्ड फूड प्रोडक्ट्स एक्सपोर्ट डेवलपमेंट अथॉरिटी (एपीडा) के अनुसार अमेरिका को कुल आम निर्यात 500 टन तक पहुंच सकता है क्योंकि अमेरिका में भारतीय आमों की जोरदार मांग है और देश में सप्लाई भी पर्याप्त रहने की उम्मीद है। हालांकि इसमें एक समस्या विकिरण उपचार केंद्रों की कमी होना है। अमेरिका को आमों का निर्यात करने से पहले उनका ट्रीटमेंट होना चाहिये, ताकि कीट, मक्खी व अन्य गंदगी साफ हो सके। पिछले साल भारत से अमेरिका को 209 टन आमों का निर्यात किया गया था। भारत दुनिया का सबसे बड़ा आम उत्पादक देश है। एपीडा के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस साल अमेरिका को आमों का कुल निर्यात 400-500 टन के बीच पहुंच सकता है। अप्रैल के पहले हफ्ते से 90 टन आमों का निर्यात किया जा चुका है। अभी पश्चिमी क्षेत्र में पैदा होने वाले अल्फांसो और केसर आमों का अमेरिका के लिये निर्यात किया जा रहा है। अधिकारी ने बताया कि एक्सपोर्ट क्वालिटी आमों की उपलब्धता ठीक है। दक्षिणी क्षेत्रों से भी आमों की सप्लाई शुरू हो गई है। उत्तरप्रदेश जैसे उत्तरी राज्यों से आम की सप्लाई मध्य जून से शुरू हो जाएगी। एपीडा के मुताबिक आमों का निर्यात अंततः उत्तरी राज्यों के दशहरी, लंगड़ा और चौसा आम की सप्लाई पर निर्भर होगा। मानसून के दौरान आमों का निर्यात कम होने लगेगा। अमेरिका में भारतीय आमों की अच्छी मांग होने के कारण निर्यातकों को अच्छे ऑडर मिल रहे हैं। लेकिन विकिरण उपचार की सुविधा सीमित होने के कारण निर्यात की बड़ी खेप भेज पाना संभव नहीं है। अमेरिका कीट, मक्खी और गंदगी रहित आमों के लिये इस उपचार के बाद ही अनुमति देता है। इस समय भारत में विकिरण उपचार के लिये सिर्फ एक केंद्र महाराष्ट्र में है। इसकी प्रोसेसिंग क्षमता 10-15 टन प्रति दिन की है। अमेरिका को आमों का निर्यात 2007 में शुरू हुआ था। वहां हवाई जहाजों के जरिये विकिरण उपचार के बाद निर्यात किया जाता है। इस उपचार से आमों को ज्यादा लंबे अरसे तक सुरक्षित रखा जा सकता है। भारत से आमों का निर्यात 150-175 रुपये प्रति किलो (एफओबी) के भाव पर हो रहा है। पिछले साल भी भाव करीब इसी स्तर पर थे। वैसे भारत से कुल मिलाकर 83,000 टन आमों का निर्यात होने की संभावना है। जबकि इस साल कुल उत्पादन 15 लाख टन के आसपास रह सकता है।

मक्का की नई हाईब्रिड किस्म विकसित

गुजरात के आनंद कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित इस किस्म के मक्का की खेती राज्य के आदिवासी क्षेत्रों में हो सकती है। गुजरात आनंद यलो हाइब्रिड मैज-1 (जीएवाई एचएम) नामक इस बीज को प्रदेश के बारिश सिंचित उत्तर व मध्य क्षेत्र में खरीफ सीजन में रोपी जा सकती है। इसके बारे में एएयू के अनुसार निदेशक के.बी. कटेरिया ने बताया कि आदिवासी क्षेत्र के लिए यह बेहतर विकल्प है।

कृषि वैज्ञानिकों ने मक्का की नई हाईब्रिड किस्म विकसित की है। इसकी खासियत दोगुने से ज्यादा पैदावार देने की इसकी क्षमता है। गुजरात के आनंद कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित इस किस्म के मक्का की खेती राज्य के आदिवासी क्षेत्रों में हो सकती है। गुजरात आनंद यलो हाइब्रिड मैज-1 (जीएवाई एचएम) नामक इस बीज को प्रदेश के बारिश सिंचित उत्तर व मध्य क्षेत्र में खरीफ सीजन में रोपी जा सकती है। इसके बारे में एएयू के अनुसार निदेशक के.बी. कठेरिया ने बताया कि आदिवासी क्षेत्र के लिए यह बेहतर विकल्प है। इसे अगले वर्ष तक किसानों को खेती करने के लिये उपलब्ध करा दिया जाएगा। यह बीज हरियाणा के हिसार द्वारा विकसित बीज एचक्यूपीएम से अधिक उत्पादन देता है। हिसार द्वारा विकसित बीज से एक हेक्टेयर क्षेत्र में 1439 किलो तक उत्पादन करने की क्षमता है जबकि जीएवाईएचएम 4000 किलो तक उत्पादन दे सकता है। उन्होंने बताया कि इस बीज को स्टेट रिसर्च काउंसिल से मान्यता मिल चुकी है। यह बीज जीएम द्वितीय से भी 24 फीसदी अधिक उत्पादन करने की क्षमता रखता है। इसकी फसल 80-85 दिनों में तैयार हो जाती है जबकि अन्य किस्मों को तैयार होने में 100 से 120 दिन तक लग जाते हैं। अनुसंधान निदेशक ने बताया कि अन्य मक्का किस्मों की तुलना में इसमें 2.85 फीसदी अधिक प्रोटीन है, जो आदिवासियों के स्वास्थ्य के लिये बेहतर है।

जैविक पद्धति से जीरो बजट में उगाएं

55 रुपये किलो वाला चावल

रांची के अनगड़ा प्रखंड के झिरकी गांव में पिछले साल पांच-छह किसानों ने मिलकर जैविक रीति से धान की खेती की। महज 20 किलो धान के बीज से खेती कर इन किसानों ने पांच क्विंटल धान उपजाया। इस खेती की विशेषता यह थी कि इसके जरिये झारखंड राज्य में पहली दफा प्रमाणित रूप से जैविक धान की खेती

हुई और लोगों को इसका भरपूर लाभ मिला। किसानों ने इस खेती के जरिये बिरसामति धान का जो सुगंधित चावल तैयार किया वह 55 रुपये किलो बिका जबकि जैविक खाद और कीटनाशकों के इस्तेमाल और श्रीविधि को अपनाने के कारण उन्हें बहुत कम पैसे खर्च करने पडे। अधिकांश खाद और कीटनाशक घर में ही गोबर और गोमूत्र से तैयार हो गये। इस इलाके के लोग इस तरह की खेती से इतने उत्साहित हैं कि इस साल 50 हेक्टेयर जमीन में जैविक विधि से सुगंधा धान की खेती करने का मन बना रहे हैं।

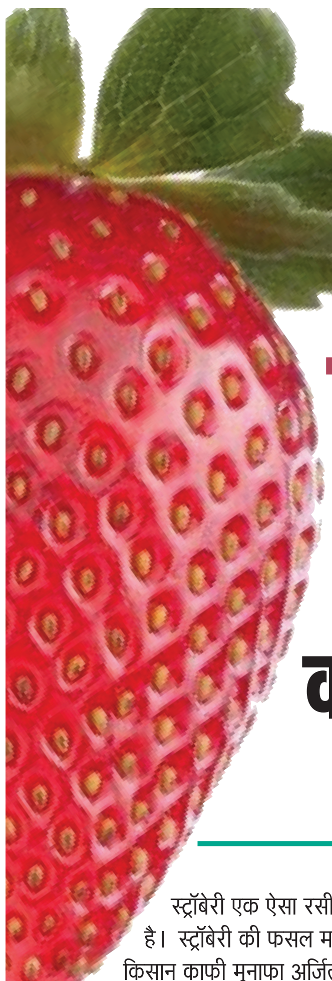

जम्मू और कश्मीर राज्य भारत के सबसे बड़े स्ट्रॉबेरी उत्पादक के रूप में उभर रहा है। जम्मू संभाग के कठुआ, साम्बा और जम्मू में स्ट्रॉबेरी की खेती की जाती है। अर्द्ध पहाड़ी क्षेत्र में जहां तापमान सामान्य से 35 डिग्री के आसपास रहता है वहां इसकी खेती पूरे साल भी की जा सकती है। स्ट्रॉबेरी की मांग पूरे देश में बढ़ती जा रही है।

स्ट्राबेरी की खेती से किसानों को होगा फायदा

स्ट्रॉबेरी एक ऐसा रसीला फल है जिसे हर मौसम में उगाया जा सकता है। स्ट्रॉबेरी की फसल मात्र 3-4 महीनों में तैयार होती है। अल्प समय में किसान काफी मुनाफा अर्जित कर सकते हैं। जम्मू और कश्मीर राज्य भारत के सबसे बड़े स्ट्रॉबेरी उत्पादक के रूप में उभर रहा है। जम्मू संभाग के कठुआ, साम्बा और जम्मू में स्ट्रॉबेरी की खेती की जाती है। अर्द्ध पहाड़ी क्षेत्र में जहां तापमान सामान्य से 35 डिग्री के आसपास रहता है वहां इसकी खेती पूरे साल भी की जा सकती है। स्ट्रॉबेरी की मांग पूरे देश में बढ़ती जा रही है। डीमांड को देखते हुए जम्मू-कश्मीर का बागवानी विभाग किसानों को इसकी खेती के लिए प्रोत्साहित कर रहा है। बागवानी विभाग की ओर से हार्टिकल्चर मिशन के तहत किसानों को प्रति कनाल 3750 रुपए सहायता दी जा रही है। एक सर्वे के अनुसार जम्मू में वर्ष 2012-13 के दौरान 7.60 हैक्टेयर भूमि पर फसल को कवर किया गया, जिनमें 142 किसान शामिल किए गए हैं। मार्कीट में बढ़ती डीमांड और अच्छे मुनाफे को देखते हुए किसानों में नकदी फसलों के लिए रुचि बढ़ रही है। अब तक पारम्परिक गेहूं उगाने वाले किसान स्ट्रॉबेरी की खेती में निवेश कर दोगुना पैसा बना रहे हैं। पिछले 3 वर्षों से 200 से अधिक किसान जम्मू में 100 से अधिक एकड़ जमीन पर स्ट्रॉबेरी की खेती कर रहे हैं। बी और सी ग्रेड की स्ट्रॉबेरी को जैम और स्क्वैश बनाने के काम में लाया जा सकता है। फल का आकार बड़ा है और इसे किसी भी समस्या के बिना 3 से 4 दिनों के लिए कोल्ड स्टोर में रखा जा सकता है। स्ट्रॉबेरी एक संकर बेर प्रजाति का फल है। दुनिया भर में इसकी खेती की जाती है। चमकदार लाल रंग, रसदार बनावट और मिठास के कारण हर कोई इसे पसंद करता है। स्ट्रॉबेरी के फलों का रस का आईसक्रीम, मिल्क शेक, चॉकलेट, कृत्रिम स्ट्रॉबेरी सुगंध व कई औद्योगिक खाद्य उत्पादों में प्रयोग किया जाता है।

पोप फ्रांसिस ने 12 महिला कैदियों के पैर धोए और उन्हें चूमा

सेंट पीटर्स । पोप फ्रांसिस ने सेवा और विनम्रता पर जोर देने के लिए 'पवित्र गुरुवार' की रस्म के दौरान रोम की जेल में बंद 12 महिला कैदियों के पैर धोए और चूमा। पोप फ्रांसिस (87) ने व्हीलचेयर पर बैठे-बैठे इस रस्म को पूरा किया। रेबिबिया जेल में बंद महिलाएं एक ऊंचे मंच पर स्टूल पर बैठी थीं ताकि पोप व्हीलचेयर से आसानी से रस्म को पूरा कर सकें। जब फ्रांसिस ने महिलाओं के पैर धोए तब वे महिलाएं रो पड़ीं। पोप ने उनके पैर पर धीरे से पानी डाला और एक छोटे तौलिया से थपथपा कर सुखाया। उन्होंने प्रत्येक पैर को चूमकर रस्म को पूरा किया। इस दौरान उन्होंने महिला की ओर मुस्कुराते हुए देखा। इसके पहले स्वस्थ दिख रहे फ्रांसिस ने सेंट पीटर्स बेसिलिका में 'पवित्र बृहस्पतिवार' की प्रार्थना की अगुवाई की। इसके बाद उन्होंने जेल का दौरा किया और महिला कैदियों के पैर धोए। फ्रांसिस पिछले दिनों सांस की बीमारी से जूझ रहे थे। लेकिन वह सुबह की प्रार्थना सभा में स्वस्थ दिखे और लोगों को संबोधित किया। फ्रांसिस ने अपने संबोधन में पादरियों से 'पाखंड' से दूर रहने का आह्वान किया। साथ ही उन्होंने पादरियों से कहा कि वे आम लोगों को जो भी उपदेश देते हैं, अपने आध्यात्मिक जीवन में भी उन्हें उनका पालन करना चाहिए तथा दोनों में भिन्नता नहीं होनी चाहिए।

म्यांमार में सड़क दुर्घटना में एक महिला की मौत, 27 घायल

यांगून । मध्य म्यामांर के मांडले क्षेत्र में सड़क दुर्घटना में एक महिला की मौत हुई और 27 अन्य लोग घायल हुए हैं। बचाव अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना मिकटीला कस्बे में तड़के करीब 04:20 बजे घटित हुई। हादसे के समय एक कार एक साइकिल से टकरा गई और फिर कपड़ा फैक्ट्री के कर्मचारियों को ले जा रहे दूसरे वाहन से टक्कर मार दी। एक अधिकारी क्याव ने कहा, साइकिल सवार महिला की मौत हो गई और दोनों वाहनों के कुल 27 लोग घायल हो गए।

उत्तरी मेडागास्कर में चक्रवात गमाने के कारण 14 लोगों की मौत

एंटानानैरिवो। मेडागास्कर में उष्णकटिबंधीय चक्रवात गमाने के कारण 14 लोगों की मौत हुई और तीन अन्य घायल हो गए, जबकि तीन लोग अभी लापता हैं। मेडागास्कर के मौसम विज्ञान अधिकारियों ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। मेडागास्कर के राष्ट्रीय जोखिम एवं आपदा प्रबंधन कार्यालय ने कहा कि गमाने ने मेडागास्कर के उत्तरी सिरे पर टकराया, जिसके कारण 150 किलोमीटर प्रति घंटे की औसत रफ्तार और 210 किमी प्रति घंटे से अधिक की रफ्तार से हवाएं चलने के साथ भारी बारिश हुई। देश के सात क्षेत्रों को तबाह करने वाले चक्रवात से 9,024 घरों सहित कुल 36,307 लोग प्रभावित हुए। इसके अलावा लगभग 18,565 लोगों या 4,849 परिवारों को विभिन्न इलाकों में बने 68 आपातकालीन स्थलों को खाली करने और शरण लेने के लिए मजबूर होना पड़ा।

ह्रदय रोगों को गहराई से पकड़ने में कामयाब हो सकती है एआई तकनीक

लंदन। ब्रिटिश शोधकर्ताओं ने एक नया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल विकसित किया है जो 80 प्रतिशत सटीकता के साथ किसी व्यक्ति की घातक ह्रदय समस्या का पता लगा सकता है। यूके में लीसेस्टर विश्वविद्यालय के नेतृत्व वाली एक टीम ने वीए-रेसनेट-50 नामक एक टूल तैयार किया है। यूरोपियन हार्ट जर्नल डिजिटल हेल्थ में प्रकाशित अध्ययन में उपकरण का उपयोग 2014 और 2022 के बीच घर पर रह रहे 270 वयस्कों के होल्टर इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम (ईसीजी) की जांच करने के लिए किया गया था। बवेंट्रिकुलर एरिथमिया, असामान्य हार्ट रिदम है जो हार्ट के लोअर चैंबर से जुड़ी समस्या को दिखाता है। इस स्थिति में दिल की तेज धड़कनों के साथ रक्तचाप कम हो जाता है। इस घातक समस्या का अगर समय से इलाज न किया जाए तो यह जानलेवा हो सकती है। प्रोफेसर ने कहा, टूल से जांच के बाद घातक बीमारी का जोखिम सामान्य वयस्कों की तुलना में तीन गुना अधिक था। उन्होंने कहा, मरीजों की इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम की जांच में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल का उपयोग करते हुए सामान्य ह्रदय गति में एक नया लेंस प्रदान किया जाता है जिसके माध्यम से हम उनके जोखिम को जानकर उचित उपचार का सुझाव दे सकते हैं जिससे मौत के जोखिम को कम किया जा सकता है।ईसीजी के बाद औसतन 1.6 वर्षों में लगभग 159 लोगों ने घातक वेंट्रिकुलर एरिथमिया का अनुभव किया था। वीए-रेसनेट-50 का उपयोग रोगी की ह्रदय जांच करने के लिए किया गया था, यह देखने के लिए कि क्या उसे यह घातक बीमारी हो सकती है। प्रत्येक पांच में से चार मामलों में एआई उपकरण ने सही भविष्यवाणी की, जिससे पता चला कि किस मरीज का ह्रदय वेंट्रिकुलर एरिथमिया के लिए सक्षम है। कार्डिएक इलेक्ट्रोफिजियोलॉजी के प्रोफेसर और विश्वविद्यालय में कार्डियोवास्कुलर साइंसेज विभाग के प्रमुख प्रोफेसर आंद्रे एनजी ने कहा, वर्तमान नैदानिक दिशानिर्देश जो हमें यह तय करने में मदद करते हैं कि किन रोगियों को वेंट्रिकुलर एरिथमिया का सबसे अधिक खतरा है और किसे इम्प्लांटेबल कार्डियोवर्टर डिफाइब्रिलेटर के साथ जीवन रक्षक उपचार से सबसे अधिक लाभ होगा। इस समस्या से बड़ी संख्या में मौतें होती हैं।

गाजा पट्टी में अब तक 32,552 की मौत

गाजा । गाजा पट्टी में इजराइली हमले में फिलिस्तीनी मृतकों की संख्या बढ़कर 32,552 हो गई है। यह जानकारी हमास द्वारा संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय ने मीडिया वे चर्चा के दौरान दी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इजराइली सेना ने 24 घंटों के दौरान 62 फिलिस्तीनियों को मार डाला और 91 को घायल कर दिया। मंत्रालय के अनुसार, इजराइल-हमास युद्ध शुरू होने के बाद से गाजा पट्टी में मरने वालों की कुल संख्या 32,552 और घायलों की 74,980 हो गई है। पिछले साल सात अक्टूबर को दक्षिणी इज़राइल में हमास के हमले के जवाब में इज़राइल ने गाजा पट्टी में हमास के खिलाफ आक्रमण शुरू किया है।

मेडागास्कर में चक्रवात गैमेन से 14 लोगों की मौत

एंटानानारिवो । मेडागास्कर में चक्रवात गैमेन के कारण 14 लोगों की मौत हो गई और तीन घायल हो गए। वहीं तीन लोग अभी भी लापता हैं। इसकी जानकारी मेडागास्कर के मौसम अधिकारियों ने दी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मेडागास्कर के राष्ट्रीय जोखिम और आपदा प्रबंधन कार्यालय (बीएनजीआरसी) ने कहा कि गैमेन ने मेडागास्कर के उत्तरी सिरे पर दस्तक दी। 150 किमी प्रति घंटे की गति से हवाएं चलीं और भारी बारिश हुई। चक्रवात से 9,024 घरों सहित 36,307 लोग प्रभावित हुए। लगभग 18,565 लोगों या 4,849 परिवारों को विभिन्न इलाकों में फैले 68 आपातकालीन स्थलों को खाली करने और अन्यत्र शरण लेने के लिए मजबूर होना पड़ा। बीएनजीआरसी के अनुसार चक्रवात गैमेन से आई बाढ़ ने व्यापक क्षति पहुंचाई। 6,675 घर और 1,698 धान के खेत जलमग्न हो गए। 617 घर पूरी तरह से नष्ट हो गए।

रूस ने यूक्रेन के ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर 99 ड्रोन और मिसाइल से हमले किए : अधिकारी

कीव। रूस ने यूक्रेन के ऊर्जा बुनियादी ढांचे पर शुक्रवार को बड़े पैमाने पर किये गए हमले में 99 ड्रोन और मिसाइल का इस्तेमाल किया। यूक्रेन के सशस्त्र बलों ने यह जानकारी दी। यूक्रेन के गृह मंत्री इहोर क्लामेंको ने 'टेलीग्राम' पर एक संदेश में कहा कि देशभर में हवाई हमले की चेतावनी जारी की गई है क्योंकि हमलों में 10 अलग-अलग क्षेत्रों को निशाना बनाया गया। यूक्रेन की वायुसेना के अनुसार, 60 शहीद ड्रोन और विभिन्न प्रकार के 39 मिसाइल से देशभर में हमले किये गए, जिनमें से 58 ड्रोन और 26 मिसाइल को मार गिराया गया। यूक्रेन के सरकारी ग्रिड संचालक यूक्रेनेजो ने कहा कि हमले में मध्य एवं पश्चिमी क्षेत्रों में ताप और पनबिजली ऊर्जा संयंत्रों सहित ऊर्जा बुनियादी ढांचे को जानबूझ कर निशाना बनाया गया। देश की सबसे बड़ी निजी बिजली आपूर्तिकर्ता कंपनी डीटीईके ने भी शुक्रवार को कहा कि इसके तीन ताप विद्युत संयंत्र को हमले में नुकसान पहुंचा है। वहीं, दनीप्रोपेत्रोवस्क क्षेत्र में हमले में पांच लोग घायल हुए हैं। स्थानीय गवर्नर सेरही लयास्क ने यह जानकारी दी। घायलों में पांच साल की एक बच्ची भी शामिल है। रोमानिया के रक्षा मंत्रालय ने भी शुक्रवार को कहा कि उसके ब्रैला काउंटी के कृषि क्षेत्र में बृहस्वतिवार को एक ड्रोन का मलबा पाये जाने के बाद जांच शुरू की गई है।

पोप फ्रांसिस वेटिकन के सेंट पीटर बेसिलिका में क्रिस्म मास में शामिल हुए।

भारत के अमेरिका के बाद अब इराक में लग सकता है टिक टॉक पर प्रतिबंध

बगदादा। भारत के साथ-साथ ऑस्ट्रेलिया बैल्जियम, कनाडा फ्रांस, न्यू-जीलैंड, अफगानिस्तान और यूरोपिये संघ पहले ही टिक-टॉक पर बैन लगा चुके हैं। अब इराक भी इस लिस्ट में शामिल होने वाला है। इराक की संचार मंत्री ने सरकार से अपील की है कि वे देश में चीनी कंपनी की ऐप टिकटॉक पर बैन लगाए। इसके पीछे उन्होंने टिकटॉक से समाज पर पड़ने वाले गलत प्रभाव को कारण बताया है।मंत्री अल-यासिरी द्वारा एक प्रेस कांफ्रेंस में जताई गई चिंता के बाद इस मुद्दे पर पूरे देश में बहस छिड़ गई है।

मंत्री ने मीडिया से कहा, मैंने टिकटॉक को ब्लॉक करने के लिए मंत्रिपरिषद को पत्र सौंप दिया है और मुझे उम्मीद है कि इस पर जल्द ही विचार किया जाएगा। अपनी इस मांग का तर्क देते हुए उन्होंने इराक के सामाजिक ताने-बाने को नष्ट करने के पीछे टिकटॉक की भूमिका होने का दावा किया है। इसके अलावा ऐप में एजुकेशन वेल्यूज की कमी और पूरी तरह मनोरंजन केंद्रित बताया है।हालांकि कुछ लोगों ने ऐप पर प्रतिबंध लगाने के आर्थिक प्रभाव और अभिव्यक्ति की आजादी पर भी चिंता जाहिर की है। बैन का विरोध करने वालों का मानना है किसी भी प्रतिबंध से इराक के एडवर्टाइजिंग मार्केट को नुकसान होने की संभावना है, खासकर स्माल बिजनेस को. क्योंकि कई लोग टिकटॉक के जरिए अपने छोटे कारोबार की मार्केटिंग कर रहे हैं।इराक के धार्मिक संगठन टिक-टॉक पर देश की संस्कृति और धर्म को नुकसान पहुंचाने के आरोप लगाते आए हैं। बता दें इराक के नौजवानों का एक बड़ा वर्ग टिकटॉक से जुड़ा है, इराक में करीब 32 मिलियन टिक-टॉक यूजर हैं। अल-यासिरी की ये मांग हाल ही में हुए जाने माने इराकी टिकटॉकर्स हुसैन और उनकी पत्नी शाहिदा पर हमले के बाद आई है। बता दें हाल ही में दंपति को काम से लौटते हुए गोली मारी गई जिसमें हुसैन तो बच गए लेकिन शाहिदा की एक आंख चली गई है।

केजरीवाल की गिरफ्तारी और कांग्रेस के बैंक खातों को फ्रीज करने पर आया संयुक्त राष्ट्र का बयान

जेनेवा (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी और कांग्रेस के बैंक खातों को फ्रीज करने के बीच भारत में राजनीतिक अशांति पर सवाल का जवाब देकर कहा कि विश्व निकाय को इस दौरान लोगों के राजनीतिक और नागरिक अधिकारों की सुरक्षा की उम्मीद है। भारत और अन्य देशों में चुनाव होने वाले हैं, इसतरह उम्मीद है कि सभी के अधिकार सुरक्षित रहे।

एंटोनियो गुटेरेस के प्रवक्ता स्टीफन डुजारिक ने यह बयान दिया। संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने कहा, हमें पूरी उम्मीद है कि भारत में, चुनाव वाले किसी भी देश की तरह, राजनीतिक और नागरिक अधिकारों सहित सभी के अधिकारों की रक्षा की जाएगी और हर कोई स्वतंत्र और निष्पक्ष माहौल में मतदान करने में सक्षम होगा। संयुक्त राष्ट्र की यह टिप्पणी आप प्रमुख की गिरफ्तारी पर संयुक्त राज्य अमेरिका और जर्मनी के बयानों के बाद आई है।

अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता ने कहा कि वे केजरीवाल की गिरफ्तारी पर बारीकी से निगरानी कर रहे हैं और निष्पक्ष, पारदर्शी और समय पर कानूनी प्रक्रिया को प्रोत्साहित कर रहे हैं। बयान पर भारत ने विरोध दर्ज कराते हुए एक वरिष्ठ अमेरिकी राजनयिक को तलब किया। इसके कुछ घंटों बाद, अमेरिका ने पारदर्शी और समय पर कानूनी प्रक्रियाओं का आह्वान करते हुए वहीं रुख दोहराया। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा, मैं किसी निजी राजनयिक बातचीत के बारे में बात नहीं करने जा रहा हूँ। लेकिन निश्चित रूप से हमने सार्वजनिक रूप से जो कहा है, वही मैंने अभी यहां से कहा है, कि हम निष्पक्ष, पारदर्शी, समय पर कानूनी प्रक्रियाओं को प्रोत्साहित करते हैं। जर्मन विदेश मामलों के प्रवक्ता ने कहा कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता और बुनियादी लोकतांत्रिक सिद्धांतों से संबंधित मानक केजरीवाल के मामले में लागू किए जाएंगे। इसके बाद विदेश मंत्रालय ने जर्मन दूतावास के एक वरिष्ठ राजनयिक को बुलाकर देश की टिप्पणियों पर अपना विरोध दर्ज कराया और इसे आंतरिक मामलों में खुला हस्तक्षेप बताया।

निष्पक्ष चुनाव और नागरिकों के अधिकारों की रक्षा को लेकर यूएन ने किया चौंकाने वाला कमेंट

जेनेवा (एजेंसी)। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी और भारत में हो रहे चुनाव को लेकर दुनिया के कई देश कमेंट कर चुके हैं। अमेरिका जर्मनी के बाद अब यूएन ने चौंकाने वाला कमेंट किया है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस के एक प्रवक्ता ने कहा कि उन्हें ''उम्मीद'' है कि भारत तथा किसी भी अन्य देश में, जहां चुनाव हो रहे हैं, लोगों के ''राजनीतिक और नागरिक अधिकारों'' की रक्षा की जाएगी और हर कोई एक ''स्वतंत्र व निष्पक्ष'' माहौल में मतदान कर पाएगा। संयुक्त राष्ट्र महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी और विपक्षी दल कांग्रेस के बैंक खातों से लेनदेन पर रोक के मद्देनजर भारत में आगामी राष्ट्रीय चुनाव से पहले राजनीतिक स्थिति पर एक सवाल के जवाब में ये टिप्पणियां कीं। दुजारिक ने नियमित संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''हमें बहुत ज्यादा उम्मीद है कि भारत तथा किसी भी अन्य देश में जहां चुनाव होने जा रहे हैं, वहां हर किसी के अधिकारों की रक्षा की जाएगी, जिनमें राजनीतिक और नागरिक अधिकार शामिल हैं। तथा हर कोई स्वतंत्र व निष्पक्ष माहौल में मतदान कर पाएगा।'' संयुक्त राष्ट्र की इस प्रतिक्रिया से एक दिन पहले अमेरिका ने भी केजरीवाल की गिरफ्तारी तथा कांग्रेस पार्टी के बैंक खातों से लेनदेन पर रोक लगाये जाने के ऐसे ही सवाल पर प्रतिक्रिया दी थी।इससे पहले केजरीवाल की गिरफ्तारी पर की गईं कुछ टिप्पणियों के विरोध में अमेरिका के एक वरिष्ठ राजनयिक को भारत द्वारा तलब किये जाने के कुछ घंटे बाद बुधवार को वाशिंगटन ने दोहराया था कि वह निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध कानूनी प्रक्रियाओं को प्रोत्साहित करता है। अमेरिका के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा था, ''मैं किसी निजी राजनयिक बातचीत के बारे में बात नहीं करने जा रहा हूं, लेकिन निश्चित रूप से, हमने सार्वजनिक रूप से जो कहा है, वही मैंने यहां से कहा है कि हम निष्पक्ष, पारदर्शी, समयबद्ध कानूनी प्रक्रियाओं को प्रोत्साहित करते हैं। हमें नहीं लगता कि किसी को इस पर आपत्ति होनी चाहिए। यही बात हम निजी तौर पर स्पष्ट कर देंगे।''नई दिल्ली में विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने अमेरिकी दूतावास की कार्यवाहक उपप्रमुख ग्लोरिया बरबेना को तलब किया था। यह बैठक 30 मिनट से अधिक समय तक चली थी। रत ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर की गई अमेरिकी विदेश विभाग की टिप्पणी को 'अनुचित' करार देते हुए बृहस्पतिवार को कहा था कि उसे अपनी स्वतंत्र और मजबूत लोकतांत्रिक संस्थाओं पर गर्व है और वह इन्हें किसी भी प्रकार के अनावश्यक बाहरी प्रभाव से बचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

ट्रंप के खिलाफ बाइडेन के साथ आए ओबामा और बिल क्लिंटन

-डेमोक्रेटिक पार्टी के लिए रिकॉर्ड फंड भी जुटाया

-सीक्रेट प्लानिंग से चुनाव अभियान को देंगे धार

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में राष्ट्रपति पद की दूसरी बार दावेदारी कर रहे डोनाल्ड ट्रंप की मुश्किलें कम नहीं हो रहीं हैं। अब बताया जा रहा है कि अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और बिल क्लिंटन ने जो बाइडन का समर्थन किया है। वहीं दूसरी तरफ ट्रंप को रिपब्लिकन पार्टी के ही पूर्व राष्ट्रपति जॉर्ज बुश का भी साथ नहीं मिल पाया है।

अब जबकि डेमोक्रेटिक पार्टी से आने वाले जो बाइडन को राष्ट्रपति पद की दूसरी पारी के लिए पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और बिल क्लिंटन का पूरा-पूरा साथ मिला है। ऐसे में ट्रंप की चिंता बढ़ गई हैं। दरअसल गुरुवार को जो बाइडेन के चुनाव अभियान के लिए न्यूयॉर्क में फंड जुटाने के लिए आयोजित कार्यक्रम में पूर्व राष्ट्रपति ओबामा और बिल क्लिंटन ने समर्थन जाहिर किया और चंदा बसूलने में एक नया रेकॉर्ड भी कायम कर दिया। बताया जा रहा है कि इस कार्यक्रम के जरिए अमरीका के चुनावी इतिहास में पहली बार 2 अरब, 8 करोड़ रुपए से ज्यादा का रेकॉर्ड चंदा एकत्रित किया गया है। यह अलग बात है कि चुनावी सर्वेक्षणों में जो बाइडन को पिछड़ते हुए दिखाया जा रहा है, लेकिन असल में तो उन्हें खासा समर्थन हासिल होते हुए ही दिख रहा है। इसी के साथ बताया जा रहा है कि किस प्रकार से ट्रंप ने 2016 के राष्ट्रपति चुनाव में सबसे ज्यादा धन जुटाने वाली हिलेरी क्लिंटन को हराया था।

आपको यहां बतलाते चलें कि रेडियो सिटी म्यूजिक हॉल कार्यक्रम में अमरीका के 42वें और 44वें राष्ट्रपति ने स्पष्ट संदेश दिया है कि देश के 45वें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप देश के 47वें राष्ट्रपति नहीं बनना चाहिए। इसी के साथ 46वें राष्ट्रपति की दावेदारी मजबूत करने जी जान से सभी जुट गए हैं। इस कार्यक्रम में डेमोक्रेटिक पार्टी को तीन दशक तक नेतृत्व करने वाली ताकत (लीडरशिप) एक साथ नजर आई है। कार्यक्रम के दौरान अमेरिका के तीन पूर्व राष्ट्रपतियों का एक साथ मंच पर उपस्थित होना और बातचीत करना सभी को आकर्षित कर गई है।

कनाडा के लोगों को बारिश के पानी पर भी देना होगा टैक्स, अगले माह होगा लागू!

टोरंटो (एजेंसी)। अगले माह से कनाडा के लोगों को ट्रूडो सरकार एक और बोझ लादने जा रही है। यहां बारिश के पानी पर भी लोगों को टैक्स देने के लिए मजबूर किया जा रहा है। कनाडा में सरकार ने रेन टैक्स लागू करने की घोषणा की है। टोरंटो सरकार की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार अप्रैल में इसे लागू करने की योजना है। कनाडा के टोरंटो शहर समेत लगभग पूरे देश में स्टॉर्म वाटर मैनेजमेंट एक बड़ी समस्या है। कनाडा में लोगों के घरों से होते हुए जितना ज्यादा पानी सीवरेज में जाएगा, उनसे उतना ही ज्यादा टैक्स वसूल जाएगा। इस नियम को ही 'रेन टैक्स' कहा जा रहा है। हालांकि कनाडा सरकार के इस फैसले पर कई लोग सवाल खड़े करते हुए विरोध कर रहे हैं।जानकारी के मुताबिक रनऑफ को संभालने के लिए टोरंटो प्रशासन इसे शहर की सभी प्रॉपर्टी पर लागू कर सकती है। इसमें इमारतें, ऑफिस, होटल और रेस्त्रां समेत कई अन्य जगह शामिल हैं। टोरंटो शहर के लोग पानी पर टैक्स देते हैं। इसमें स्टॉर्म वाटर मैनेजमेंट का खर्च भी शामिल है। ऐसे में नया टैक्स लगने के बाद लोगों पर भारी टैक्स लगेगा, जिसकी वजह से लोग विरोध कर रहे हैं। रेन टैक्स हर इलाके का अलग अलग होगा। जानकारी के मुताबिक जहां ज्यादा इमारतें होंगी वहां रनऑफ भी ज्यादा होगा, ऐसे में वहां रेन टैक्स भी ज्यादा होगा। इसमें घर, पार्किंग लॉट और कंक्रीट से बनी कई चीजें शामिल हैं। वहीं जिन जगहों पर कम इमारतें है वहां टैक्स भी घट जाएगा।

तुर्की पर इजराइल को हथियार देने के आरोप पर मचा बवाल

गाजा (एजेंसी)। फिलिस्तीन और मुस्लिम दुनिया के मसीहा समझे जाने वाले तुर्की राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोआन पर गंभीर आरोप लगे हैं। तुर्की की एक ट्रेड रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि तुर्की ने युद्ध के दौरान इजराइल को हथियार बेचे हैं। मीडिया आउटलेट 'द क्रैडल' ने 'ट्रेंडिंग इकोनॉमिक्स' की एक रिपोर्ट का उल्लेख करते हुए लिखा कि जनवरी में देश ने इजराइल को कीमती मेटल, केमिकल, कीटनाशकों, परमाणु रिएक्टर पार्ट्स, बारूद, विस्फोटक, विमान के हिस्सों, हथियारों और गोला-बारूद सहित करीब 319 मिलियन डॉलर का सामान निर्यात किया। तुर्की के मुख्य स्वतंत्र फैक्ट चेक आउटलेटों में से एक टेयिट हक्किंडा के फैक्ट चेकर ओयकुम हुमा केस्किन ने कहा कि एक्सपोर्ट डेटा रिपोर्ट के झूठे होने का दावा गलत है। उन्होंने कहा ÷जब हमने इस रिपोर्ट की जांच की तो पता चला है कि 2024 के पहले तीन महीनों में इजराइल को 'बारूद और विस्फोटक' निर्यात किए गए हैं।

खबरों के मुताबिक ट्रेड तुर्की की इंडिपेंडेंट इंडस्ट्रियलिस्ट्स एंड बिजनेसमैन एसोसिएशन से जुड़ी कंपनियों ने किया है, जिनको देश में राष्ट्रपति एर्दोआन का समर्थन करने के लिए जाना जाता है। रिपोर्ट के बाहर आने के बाद सोशल मीडिया पर तुर्की राष्ट्रपति के खिलाफ भूचाल आ गया है। फिलिस्तीन समर्थकों ने इजराइल के साथ हथियारों के व्यापार को फिलिस्तीनियों के 'पीठ में छुरा घोंपने' जैसा करार दिया है। सोशल मीडिया पर लोगों ने तुर्की और एर्दोआन के खिलाफ गुस्सा जाहिर किया है। मामले के तूल पकड़ने के बाद तुर्की को सफाई देनी पड़ी है। तुर्की की डिफेंस मिनिस्ट्री ने बयान में कहा, तुर्की हमेशा से फिलिस्तीन का समर्थक रहा है। ऐसा कभी नहीं हो सकता कि तुर्की किसी भी ऐसी गतिविधि में शामिल हो जो फिलिस्तीन के खिलाफ इस्तेमाल हो। बयान में आगे कहा कि डिफेंस मंत्रालय की इजराइल के साथ सैन्य प्रशिक्षण और डिफेंस इंडस्ट्री से जुड़ी कोई भी डील नहीं हुई है।

निज्जर हत्या मामले में कनाडा नहीं दे पाया सबूत, अब ट्रूडो के बदलने लगे सुर

टोरंटो (एजेंसी)। खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या को 9 महीने से ज्यादा का वक्त हो गया है। भारत अपने रुख पर शुरू से ही कायम है। भारत ने हर बार कहा कि अगर कनाडा जरूरी सबूत देता है तो जांच में उसका सहयोग किया जाएगा। हालांकि आज तक इसपर कनाडा कोई ठोस कदम नहीं उठा पाया। अब कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की हेकड़ी भी गुम होती नजर आ रही है। उन्होंने कहा है कि निज्जर की हत्या के तह तक जाने के लिए कनाडा भारत के साथ मिलकर रचनात्मक काम करने को तैयार है। कनाडा के रुख से स्पष्ट है कि जस्टिन ट्रूडो ने अपने देश की राजनीति में छोटा फायदा तलाशने के लिए भारत पर बेबुनियाद आरोप लगा दिए थे। ट्रूडो ने कहा था कि निज्जर की हत्या में भारत के अधिकारियों का हाथ है। इसके बाद दोनों देशों में तनातनी इतनी बढ़ गई कि एक दूसरे के राजनयिकों को वापस कर दिया गया। वहां खालिस्तान समर्थकों ने भारत के दूतावास पर हमला किया।

निज्जर की हत्या के 9 महीने बीतने के बाद भी इस मामले में ना तो कई गिरफ्तारी हुई है और ना ही कोई सबूत दिया गया है। वहीं खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत कही हत्या की साजिश के मामले में अमेरिका से जो इनपुट मिले थे उसको लेकर भारत ने एक उच्चस्तरीय टीम बनाई थी। भारत सरकार ने जांच के बारे में कोई आधिकारिक बयान हीं दिया है। बताया गया है कि एक अधिकारी को भारत ने खुफिया एजेंसी से हटाया था। बता दें कि बीते साल जून में सूरी के एक गुरुद्वारे में निज्जर की अज्ञात हमलावरों ने हत्या कर दी थी। एक कार्यक्रम के दौरान मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए ट्रूडो ने कहा, कनाडा चाहता है कि प्रॉपर जांच हो और कानून का उल्लंघन ना किया जाए। उन्होंने कहा, हम भारत सरकार के साथ मिलकर काम करने को तैयार हैं ताकि मामले के तह तक पहुंचा जा सके। हमें समझना है कि आखिर यह कैसे हो सकता है। हमें यह सुनिश्चित करना है कि कनाडा की धरती पर फिर कभी विदेशी दखल ना हो। ट्रूडो के इस बयान के बारे में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जैसवाल से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि इसमें कुछ भी नया नहीं है। उन्होंने कहा, भारत पहले हीकह चुका है कि अगर पुखात सबूत मिलेंगे तो जांच में पूरा सहयोग किया जाएगा। हालांकि आज तक कोई सबूत नहीं दिया गया है, केवल निराधार दावे किए गए हैं। उन्होंने कहा, हमें सावधान रहना है क्योंकि कनाडा में कट्टरवादियों को जगह दी जा रही है और राजनीति का खेल खेला जा रहा है।

माफिया मुख्तार की मौत के बाद पूरे यूपी में धारा 144 लागू

चप्पे-चप्पे पर पुलिस की नजर

लखनऊ ।

माफिया से नेता बने मुख्तार अंसारी को गुरुवार देर रात को तबीयत बिगड़ने के बाद जिला जेल से रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां दिल का दौरा पड़ने से उसकी मौत हो गई।

बांदा मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य सुनील कौशल ने बताया, मेडिकल कॉलेज में दिल का दौरा पड़ने से अंसारी की मौत हो गई। समाजवादी पार्टी ने अंसारी के निधन को दुखद बताया है। मेडिकल कॉलेज की ओर से जारी मेडिकल बुलेटिन में कहा गया है, गुरुवार को रात लगभग 8-25 बजे जेल कर्मी बेहोशी की हालत में दोषी/विचाराधीन कैदी मुख्तार अंसारी को रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज बांदा के आकस्मिक विभाग में लाए। नौ चिकित्सकों की टीम ने मरीज को तत्काल चिकित्सा प्रदान की। परंतु काफी प्रयासों के बावजूद दिल का दौरा पड़ने से मरीज की मौत हो गई।

माफिया मुख्तार की मौत के बाद उत्तर प्रदेश पुलिस ने पूरे प्रदेश में निषेधाज्ञा लागू कर दी है। बांदा, मऊ, गाजीपुर और वाराणसी जैसे जिलों में पुलिस की टीम गश्त लगा रही हैं। समाजवादी पार्टी ने लिखा, पूर्व विधायक मुख्तार अंसारी का इंतकाल, दुःखद। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दें। शोकाकुल परिजनों को यह असीम दुःख सहने का संबल प्राप्त हो। विनम्र श्रद्धांजलि! इसके पहले मंगलवार सुबह करीब चार बजे अंसारी को पेट दर्द, पेशाब और शौच में समस्या के चलते अस्पताल में भर्ती कराया गया था, इलाज के बाद अंसारी को छुट्टी दे दी गई थी। वहीं मुख्तार के भाई सांसद अफजाल अंसारी के मुताबिक मुख्तार ने दावा किया था कि उन्हें दो बार खाने में जहर दिया गया है। गाजीपुर से बसपा सांसद अफजाल ने बताया था कि आज तड़के उन्हें मोहम्मदाबाद थाने से एक संदेश प्राप्त हुआ जिसमें उन्हें बताया गया कि मुख्तार की तबीयत खराब है और उन्हें बांदा मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। अफजाल ने बांदा मेडिकल कॉलेज पहुंचने के बाद कहा कि मुख्तार को गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में रखा गया और वह होश में हैं। अफजाल के मुताबिक, मुख्तार ने उन्हें बताया है कि उन्हें खाने में कोई जहरीला पदार्थ खिलाया गया है और ऐसा दूसरी बार हुआ है। उन्होंने कहा कि मुख्तार ने उन्हें बताया कि करीब 40 दिन पहले भी उन्हें जहर दिया गया था और हाल ही में शायद 19 या 22 मार्च को फिर ऐसा किया गया, जिसके बाद से उनकी हालत खराब है। अफजाल ने कहा था कि 21 मार्च को बाराबंकी की अदालत में मामले की डिजिटल माध्यम से सुनवाई के दिन मुख्तार के वकील ने अदालत में दरखास्त दी थी जिसमें आरोप लगाया गया था कि उनके मुवक्किल को जेल में धीमा जहर दिया गया है जिससे उनकी हालत बिगड़ती जा रही है।

सियासी संकट- पति को मिला बसपा से टिकट....खुद कांग्रेस से विधायक

बालाघाट में रोचक हुआ मुकाबला

बालाघाट ।

मध्य प्रदेश में लोकसभा चुनाव की तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। सभी पार्टियां चुनावी रणनीति का जमीन पर उतारने की कोशिश में लगी हुई हैं। इस बीच बसपा ने उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट जारी की है। इस लिस्ट में एक नाम ऐसा है, इससे कांग्रेस विधायक की मुश्किलें खड़ी हो गई हैं। दरअसल, बालाघाट लोकसभा सीट से बसपा ने सीनियर नेता कंकर मुंजारे को टिकट दिया है। कंकर मुंजारे की पत्नी अनुभा मुंजारे बालाघाट विधानसभा सीट से विधायक हैं। इसके बाद कांग्रेस विधायक अनुभा के सामने मुश्किलें खड़ी हो गई हैं। वह पति के लिए प्रचार करें या फिर कांग्रेस पार्टी के लिए। बात दें कि मुंजारे कभी कांग्रेस के कद्दावर नेता थे। इस बार भी वे लोकसभा चुनाव के लिए बालाघाट से टिकट की दावेदारी कर रहे थे लेकिन पार्टी ने उन्हें टिकट नहीं दिया जिसके बाद उन्होंने बसपा ज्वाइन कर ली। बसपा ने अब उन्हें उम्मीदवार भी घोषित कर दिया है। हालांकि कंकर मुंजारे ने अपना नामांकन 27 मार्च को ही दाखिल कर दिया था क्योंकि इस दिन नामांकन की आखिरी तारीख थी। अनुभा के पति की बगावत से कांग्रेस के वोट बैंक में सेंध लगने का डर है। इसकारण प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने बालाघाट की रैली में अनुभा से कहा था कि पति को मनाए और लोकतंत्र को बचाने में हमारा साथ दें। कंकर मुंजारे एक बार सांसद और तीन बार विधायक रह चुके हैं। उनके बागी होकर बसपा में शामिल होने से बालाघाट में लड़ाई रोचक हो गई है। बता दें कि विधानसभा चुनाव के दौरान भी टिकट नहीं मिलने से कंकर भुंजारे नाराज थे। वहीं, कांग्रेस ने उनकी पत्नी अनुभा मुंजारे को टिकट दिया था। उन्होंने अपनी पत्नी को घर में कांग्रेस का झंडा लगाने से माना कर दिया था। जिसके बाद पत्नी ने घर में कांग्रेस का झंडा नहीं लगाया था।

शिबू सोरेन की बड़ी बहू सीता सोरेन ने लगाए हेमंत और कल्पना पर आरोप

-पति की रहस्यमय परिस्थितियों में हुई मौत की हाईलेवल जांच की मांग

रांची।

झारखंड मुक्ति मोर्चा के संरक्षक शिबू सोरेन की बड़ी बहू सीता सोरेन जिन्होंने हाल ही बीजेपी ज्वाइन की है। बीजेपी में शामिल होने के बाद उन्होंने अपने परिवार पर उपेक्षा के आरोप लगाए थे। अब सीता सोरेन ने अपने पति दुर्गा सोरेन की रहस्यमय परिस्थितियों में हुई मौत को लेकर हाईलेवल जांच की मांग की है। इससे शिबू सोरेन परिवार को एक और झटका लगा है। दिल्ली से लौटीं सीता सोरेने ने रांची में पत्रकारो से बात करते हुए कहा कि झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) को खड़ा करने में अपना खून पसीना बहाने वाले उनके पति दुर्गा सोरेन की रहस्यमय परिस्थितियों में मौत हुई थी। वह अपने पति की मौत की हाई-लेवल जांच की मांग कर रही हैं। उन्होंने कहा कि वह कई साल से जांच की मांग कर रही थीं। सीता ने यह भी आरोप लगाया कि उनके पति की मौत के बाद उनके परिवार को उपेक्षा की नजर से देखा जाने लगा था। उनका आरोप था कि जेल में बंद झारखंड के पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की उनकी पत्नी कल्पना सोरेन ने उनका अपमान किया है। सीता ने कहा था कि मेरे पति की मौत के बाद उनके जीवन में जो बदलाव आया वह किसी बुरे सपने से कम नहीं था। उन्हें सामाजिक और राजनीतिक रूप से अलग-थलग कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि अगर वह सच्चाई को उजागर कर दें तो कई लोगों के सपने चकनाचूर हो जाएंगे। झारखंड के लोग उन पर थूकेंगे जिन्होंने उनके पति दुर्गा सोरेन और उनके लोगों को रास्ते से हटाने की साजिश रची थी। उन्होंने जेएमएम पर हमला बोलते हुए पत्रकारों से कहा कि झारखंड का विकास प्रधानमंत्री मोदी की विचारधारा से ही संभव है क्योंकि जेएमएम अपने सिद्धांत से भटक गया है और भ्रष्टाचार में लिप्त हो गया है। बता दे कि सीता सोरेन ने हाल ही में बीजेपी का दामन थाम लिया था। उसके बाद बीजेपी ने सीता को दुमका लोकसभा सीट से मैदान में उतारा है। सीता सोरेन झारखंड मुक्ति मोर्चा की नेता रही हैं और झारखंड के ही जामा सीट से विधायक हैं। उन पर 2012 के राज्यसभा चुनाव में मतदान के लिए पैसे लेने का आरोप लगा था और वह सात माह जेल में भी रहीं। इसके बाद 19 मार्च 2024 को सीता सोरेन ने पार्टी की ओर से उनकी उपेक्षा का हवाला देते हुए झामुमो के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया था।

मुख्तार का डेढ़ घंटे तक चला पोस्टमार्टम

डीएम ने दिए न्यायिक जांच के आदेश

बांदा।

उत्तर प्रदेश की बांदा जेल में कैद मुख्तार अंसारी की मौत गुरुवार 28 मार्च की रात हो गई थी। बताया गया है कि मुख्तार को उल्टी की शिकायत और बेहोशी की हालत में रात 8 बजकर 25 मिनट पर जेल से रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। जहां मौजूद 9 डॉक्टरों ने इलाज शुरु किया था, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका। इसके बाद ही शुक्रवार को 3 डॉक्टरों के एक पैनल सहित 5 लोगों की टीम ने मुख्तार के शव का पोस्टमार्टम किया। पोस्टमार्टम सुबह 11 बजे शुरू हुआ था जो कि दोपहर 1.30 बजे तक चला। मुख्तार की मौत को लेकर लगातार आरोप लगते रहे हैं और परिजनों ने एम्स में पोस्टमार्टम कराए जाने की मांग भी की है। यहां पोस्टमार्टम के बाद मुख्तार का शव परिजनों को सौंपने की बात सामने आई। इसी बीच मुख्तार अंसारी के बेटे उमर अंसारी ने बांदा डीएम को पत्र लिख कर मांग की है कि पिता मुख्तार का दिल्ली एम्स में पोस्टमार्टम कराया जाए। उन्होंने पत्र में स्पष्ट लिखा है कि परिवार को बांदा की चिकित्सा व्यवस्था पर भरोसा नहीं है, ऐसे में उनका पोस्टमार्टम एम्स में कराया जाना उचित होगा। वहीं दूसरी तरफ बांदा डीएम ने मुख्तार अंसारी की संदिग्ध मौत मामले की न्यायिक जांच के आदेश जारी कर दिए हैं। मुख्तार की मौत के साथ ही संपूर्ण राज्य में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई। मऊ और गाजीपुर में धारा 144 लागू की गई है। बांदा में भी विशेष सुरक्षा इंतजाम किए गए और मौके पर बड़ी संख्या में पुलिसबल तैनात कर दिया गया। वहीं डीजीपी मुख्यालय ने भी हर तरह से सतर्क रहने और सजग रहने के निर्देश दिए हैं।

यूपी ही नहीं बिहार के जेलों में सजा काटते हुई कई बाहुबलियों की मौत

- किसी की हत्या तो किसी ने अस्पताल में तोड़ा दम

नई दिल्ली। यूपी के बाहुबली मुख्तार अंसारी की जेल में दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। मुख्तार पर कई आपराधिक मामले दर्ज थे कई अपराधों में उन्हें सजा भी सुनाई जा चुकी थी। यूपी की जेलों में कई माफिया और शातिर अपराधियों ने दम तोड़ा है। मुख्तार अंसारी पहला माफिया या गैंगस्टर नहीं है जिसकी जेल में रहते हुए मौत हुई है। ज्ञात हो कि छह साल पहले गैंगस्टर मुन्ना बजरंगी की बागपत जेल में पश्चिमी यूपी के गैंगस्टर सुनील राठी ने हत्या कर दी थी। 14 मई 2021 को मुख्तार अंसारी के करीबी मेराज, मुकीम काला और अंशू दीक्षित की चित्रकूट जेल में गैंगवार के दौरान तीनों की मौत हो गई थी। 2015 में मथुरा की जेल में बंद गैगस्टर राजेश टोटा की गैंगवार में हत्या कर दी गई थी। यूपी ही बिहार के बाहबुली शहाबुद्दीन जैसे गैंगस्टर्स और अपराधियों की लंबी फेहरिस्त है जिन्होंने जेल में रहते हुए मौत हो गई थी। ऐस ही एनआईए अफसर तंजील अहमद की हत्या में दोषी खतरनाम अपराधी मुनीर की भी जेल में ही मौत हो गई थी। सरकारी अफसर की हत्या के मामले में कोर्ट ने मुनीर को फांसी की सजा सुनाई थी। इसी दौरान 21 नवंबर 2022 को बीमारी के चलते से अस्पताल में मुनीर की मौत हो गई थी। उत्तरप्रदेश के प्रयागराज में पिछले साल 15 अप्रैल को यूपी के बाहुबली अतीक अहमद और उनके भाई की मेडिकल जांच के लिए जा रहे थे तथी प्रयागराज के अस्पताल परिसर में कुछ बदमाशों ने अतीक और उनके भाई की गोली मार कर हत्या कर दी थी। अतीक और उनके भाई को उमेश पाल हत्याकांड के मामले में पुलिस जेल से रिमांड पर लेकर आई थी।

बाहुलबली शहाबुद्दीन की तेहाड़ में मौत

बिहार के सीवान से पूर्व सांसद और बाहुबली शहाबुद्दीन की भी जेल में रहने के दौरान मौत हो गई थी। शहाबुद्दीन को 2021 में तिहाड़ जेल में रहते हुए कोरोना हो गया था जिसके बादशहाबुद्दीन को दिल्ली में भर्ती कराया गया था। वहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई थी।

भीड़भाड़ वाली जुहू चौपाटी पर दिनदहाड़े नहीं हो सकता दुष्कर्म

बॉम्बे हाईकोर्ट ने आरोपी को दी जमानत, नहीं लगेगा पॉक्सो एक्ट

मुंबई।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने दुष्कर्म के मामले में आरोपी को जमानत दे दी है। कोर्ट ने सारी दलीलें सुनने के बाद कहा कि मुंबई में भीड़भाड़ वाली जुहू चौपाटी पर दिनदहाड़े आरोपी पीड़िता से दुष्कर्म नहीं कर सकता। इस मामले में पॉक्सो एक्ट लगाने का सवाल नहीं उठता। बॉम्बे हाईकोर्ट ने दुष्कर्म के आरोपी चौकीदार को जमानत देते हुए कहा ट्रायल कोर्ट ने अभी तक कोई आरोप तय नहीं किया है। न्यायमूर्ति पृथ्वीराज चव्हाण की पीठ चौकीदार द्वारा दायर जमानत याचिका पर सुनवाई कर रही थी। अभियोजन पक्ष का कहना था पीड़िता एक बिल्डिंग में नौकरानी का काम करती थी। वही उसकी पहचान चौकीदार से हो गई और दोनों के बीच दोस्ती हुई और बाद में प्रेम संबंध में बदल गई। पीड़िता ने आरोप लगाया था कि 14 मई, 2021 को जब वो आरोपी के साथ जुहू चौपाटी गई थी तो आरोपी ने उससे यौन संबंध बनाने के लिए कहा, जिस पर पीड़िता ने इनकार कर दिया. हालांकि, आरोपी उसे धमकी देते हुए जबरन समुद्र की ओर ले गया और पत्थरों के पीछे उसके साथ दुष्कर्म किया। चौकीदार की ओर से वकील नाजनीन खत्री ने अभियोजन पक्ष द्वारा पेश पीड़िता की एक्स-रे रिपोर्ट की ओर इशारा किया, जिसमें पता चला कि रेडियोलॉजिकल रूप से पीड़िता की उम्र 19 साल से अधिक है, लेकिन 20 साल से कम है। रिपोर्ट देखने के बाद पीठ ने कहा कि अगर ऐसा मामला है तो इस मामले में पॉक्सो एक्ट लगाने का सवाल नहीं उठता है क्योंकि कथित अपराध के समय पीड़िता बालिक थी। इसके बाद कोर्ट ने आरोपी चौकीदार को जमानत दे दी। बता दें कि आरोपी के खिलाफ मामले को देखते हुए पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था।

संक्षिप्त समाचार

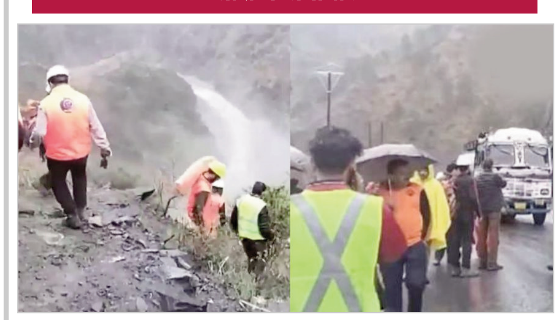

श्रीनगर हाईवे पर भीषण सड़क हादसा....एसयूवी खाई में गिरी 10 की मौत

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर हाईवे पर शुक्रवार को भीषण सड़क हादसा हुआ, जिसमें 10 लोगों की मौत हो गई। वहीं घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची है। रामबन जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक एसयूवी कार फिसलकर गहरी खाई में गिर गई, जिसमें 10 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि कार श्रीनगर से जम्मू की ओर जा रही थी और रामबन के बैटरी चश्मा इलाके में देर रात करीब 1-15 बजे 300 फुट गहरी खाई में गिर गई। अधिकारियों ने बताया कि इस दुर्घटना में दस लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि भारी बारिश के बीच दस यात्रियों के शव बरामद किए गए हैं। उन्होंने बताया कि मृतकों में जम्मू के अंब गरोटा गांव के कार चालक 47 वर्षीय बलवान सिंह और बिहार के पश्चिमी चंपारण के विपिन मुखिया भैरगंग भी शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि घटनास्थल पर बचाव अभियान जारी है।

धार्मिक शहरों में धंधा करने के लिए बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं कॉर्पोरेट ब्रांड

नई दिल्ली । धार्मिक नगरों में हॉस्पिटल, रिटेल हाउसिंग, कमर्शियल प्रोजेक्ट, एवं रिटेल ब्रांड को लेकर कॉर्पोरेट कंपनियां छोटे शहरों में अपनी पहुंच बना रही हैं।मथुरा, अजमेर, पुरी, वाराणसी, उज्जैन इत्यादि शहरों में बड़े-बड़े ब्रांडेड होटल एवं रिटेल ब्रांड के शोरूम खुलने शुरू हो गए हैं। रियल स्टेट की कंसलटिंग कंपनियां भी धार्मिक स्थलों में पहुंचकर रियल एस्टेट के कारोबार को बढ़ा रहे हैं। रिटेल क्षेत्र में रेस्टोरेंट, धार्मिक वस्तुओं की बिक्री, एवं अन्य वस्तुओं के विक्रय के लिए बड़ी-बड़ी कंपनियां पहुंच रही हैं। रियल एस्टेट कंपनियां भी लोगों की धार्मिक भावनाएं उभारकर करोडों रुपए की कमाई करने का कोई अवसर नहीं छोड़ रही है।

ताज और आईटीसी के होटल और रिटेल ब्रांड

धार्मिक नगरी सोमनाथ, बालाजी तिरुपति, कटरा, द्वारका, वाराणसी, अजमेर,मथुरा, पुरी,उज्जैन इत्यादि धार्मिक नगरी में ताज और आईटीसी के होटल, रिटेल ब्रांड में रिलायंस ट्रेंड, लेवी मैक्स, मैकडॉनल्ड,पिज़्ज़ा हट, अमूल, बर्गर किंग, डोमिनो जैसे ब्रांड बड़ी तेजी के साथ धार्मिक स्थलों का रुख कर रहे हैं। धार्मिक स्थल अब पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित हो रहे हैं। धर्म और पर्यटन की मिली जुली संस्कृति से ब्रांडेड कंपनियों को बड़ा कारोबार करने का मौका अब छोटे शहरों में मिल रहा है। जिसके कारण बड़ी-बड़ी कंपनियों और छोटे शहरों की ओर रुख कर रही हैं।

आतंकी संगठन आईएस पढ़े-लिखे युवाओं को बना रहा निशाना

- छात्रों से संपर्क करने फैला रहे ऑनलाइन जाल, सुरक्षा एजेंसी सतर्क

नई दिल्ली। आतंकी संगठन अपनी ताकत बढ़ाने और पढ़े-लिखे युवाओं को बहकाकर अपने साथ जोड़ने की हर संभव कोशिश करते हैं। ये आतंकी भारत में भी इस तरह का जाल बिछाकर पढ़े-लिखे नौजवान को अपना निशाना बनाते हैं। पिछले ही दिनों गुहावाटी में आईआईटी के छात्र को आतंकी संगठन आईएस के लिए काम करने के आरोप में पकड़ा था। खुफिया सूत्रों का मानना है कि टेलीग्राम पर सीरिया में बैठे एक ही ग्रुप के लोग इन छात्रों को भड़का रहे थे। खुफिया सूत्रों का मानना है माना जा रहा है कि इंजीनियरिंग के छात्रों को ऑनलाइन भड़काने के पीछे एक ही संगठन हो सकता है। ऑनलाइन ग्रुप के जरिए भड़काए गए छात्रों में जामिया मिलिया इस्लामिया से एमटेक ग्रेजुएट अरशद वारसी और दिल्ली में पिछले अक्टूबर में गिरफ्तार हुए एनआईटी नागपुर से बीटेक करने वाले शहनावाज शामिल हैं। हाल ही में गुवाहाटी से बीटेक ग्रेजुएट हारिस फारूकी को भी गिरफ्तार किया था। ये तीनों दिल्ली, अलीगढ़ और पुणे से जुड़े एक ही गुट के सदस्य थे और हारिस की इन मॉड्यूलों में अगुवाई करने की भूमिका थी। गिरफ्तारी के बाद, पुलिस ने कहा कि हारिस गुप्त चैटिंग एप के जरिए विदेशी हैंडलर के संपर्क में था। उस पर सोशल मीडिया और आमने-सामने मिलकर भोले युवाओं को आतंकी संगठन आईएस में शामिल होने के लिए तैयार करने और उन्हें आतंकी बनाने का भी आरोप था। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पिछले अक्टूबर में शाहनवाज को गिरफ्तार किया था। वह 2017 से जमाल नाम के एक सीरियाई टेलीग्राम अकाउंट के संपर्क में था। जमाल अफगानिस्तान का रहने वाला था, जिसे फरवरी 2018 में तालिबान-आईएस युद्ध में मार दिया गया था। पुलिस ने बताया कि टेलीग्राम और रॉकेट जैसे चैट एप पर ये अकाउंट अलग-अलग लोगों द्वारा चलाए जा रहे थे। फारूकी को 3 अप्रैल तक पुलिस हिरासत में रखा गया है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार होने से पहले अपनी लिंक्डइन पोस्ट में तौसीफ फारूकी ने खुद को भारतीय संविधान और उसकी संस्थाओं से अलग कर लिया था। उसने लिखा था, अपने पछतावे के बाद मेरा पहला कदम मुसलमानों की तरफ पलायन करना है, जिसे इस्लामिक स्टेट-खुरासान प्रांत के नाम से जाना जाता है, ताकि इस्लामिक स्टेट के लिए अपनी वफादारी की कसम खा सकूं...यह मुसलमानों और काफिरों के बीच की लड़ाई है।

1,700 करोड़ के नोटिस पर कांग्रेस हमलवार, बीजेपी कर आंतक में शामिल

-जयराम और अजय माकन ने लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली ।

कांग्रेस ने बीजेपी पर मुख्य विपक्षी पार्टी को खत्म करने के प्रयास करने का आरोप लगाया है। कांग्रेस ने एक के बाद एक पार्टी को मिल रहे आयकर विभाग के नोटिसों को लेकर कहा है कि टैक्स टेररिज्म यानी कर आतंकवाद का सहारा लिया जा रहा है। पिछले वर्षों के कर रिटर्न में विसंगतियों पर कांग्रेस को आयकर विभाग से 1700 करोड़ रुपये का नया नोटिस मिलने के बाद कांग्रेस ने बीजेपी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा, बीजेपी कर आतंकवाद में लगी हुई है और कांग्रेस को आर्थिक रूप से कमजोर करने की कोशिश की जा रही है। पार्टी के वरिष्ठ नेता अजय माकन ने बीजेपी पर कर कानूनों का गंभीर उल्लंघन करने का आरोप लगाया।

माकन ने आरोप लगाया, आयकर के जिन नियमों की आड़ में कांग्रेस को परेशान किया जा रहा है, उन्हीं नियमों को लेकर बीजेपी को छूट मिल रही है। कांग्रेस का 14 लाख रुपए का वायलेशन बताकर बीजेपी के आयकर विभाग ने कांग्रेस के 135 करोड़ रुपए ले लिए। लेकिन... बीजेपी को 42 करोड़ रुपए का चंदा देने वालों का न कोई नाम है, न कोई पता है, उसपर कोई एक्शन नहीं लिया। कांग्रेस नेता ने कहा, आयकर विभाग ने बीजेपी के 42 करोड़ रुपए के उल्लंघन पर आँख पर पट्टी बांध ली, लेकिन कांग्रेस के 14 लाख रुपए, जो कि हमारे 23 नेताओं ने पार्टी को दिए हैं, जिनके नाम और पते भी हैं, उसके आधार पर हमारे 135 करोड़ रुपए छीनकर ले गए।

कांग्रेस ने कहा कि आयकर विभाग और चुनाव आयोग बीजेपी की कमी पर आंख बंद कर बैठे हुए हैं, उन्हें सिर्फ कांग्रेस में कमी नजर आती है। कांग्रेस नेताओं ने कहा है कि बीजेपी के आईटी विभाग ने 5 साल का नोटिस भेजकर कांग्रेस से 1,823 करोड़ रुपए की मांग की है।

माकन ने कहा, जब लोकसभा चुनाव की तारीखों को ऐलान हो चुका हैं, तब उस समय में आईटी विभाग द्वारा कांग्रेस पर गलत तरीके से पेनल्टी लगाई जा रही है, पैसों की मांग की जा रही है। ये बातें साफ इशारा करती हैं कि आईटी विभाग को बीजेपी की कमियां नजर नहीं आ रही हैं। इसकारण पार्टी की मांग है कि आईटी विभाग द्वारा बीजेपी को 4,600 करोड़ रुपए का नोटिस दिया जाना चाहिए। कांग्रेस के रमेश ने कहा, हमें आर्थिक रूप से कमजोर करने के लिए नोटिस भेज जा रहे हैं। यह कर आतंकवाद है और इसका इस्तेमाल कांग्रेस पर हमला करने के लिए हो जा रहा है। इस हमले को रोकना होगा। उन्होंने कहा, हम इन नोटिसों से नहीं डरने वाले हैं, हम और अधिक आक्रामक होकर चुनाव लड़ने वाले हैं।

फरवरी में आयकर विभाग ने पार्टी के टैक्स रिटर्न में गड़बड़ी पाई थी और 200 करोड़ रुपये की मांग की थी। आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण ने पार्टी को बकाया भुगतान करने को कहकर उनके खाते फ्रीज कर दिए थे। कांग्रेस ने कहा कि टैक्स ट्रिब्यूनल का उसके फंड को रोकने का आदेश लोकतंत्र पर हमला है, क्योंकि यह आदेश लोकसभा चुनाव से ठीक पहले आया है। कांग्रेस ने बीजेपी पर इलेक्टोरल बॉन्ड से चंदे में गड़बड़ी करने का आरोप लगाया है। जयराम ने कहा, पूरे देश को पता है कि इलेक्टोरल बॉन्ड घोटाले से बीजेपी ने करीब 8,250 करोड़ रुपए चंदा इकट्ठा किया है।

तेजस्वी यादव ने कहा- बिहार ओछे बयानबाजी करने वालों की धरती नहीं

पटना ।

बिहार में किड़नी पर सियासत शुरू हो गई है। सम्राट चौधरी के बयान पर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि उपमुख्यमंत्री द्वारा नारी शक्ति और बिहार की बेटी पर दिए गए घृणाप्रद बयान बीजेपी के चरित्र को बताता है। उन्होंने कहा कि बिहार ओछे बयानबाजी करने वालों की धरती नहीं है। ऐसी सोच न तो हमारे संस्कारों में है और न ही बिहार की संस्कृति में है। वे ईश्वर से प्रार्थना करेंगे कि उपमुख्यमंत्री और उनकी पार्टी को मातृशक्ति का सम्मान करने की सद्बुद्धि प्राप्त हो। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि मैं सभी कार्यकर्ताओं और बिहारवासियों से भी आग्रह करता हूं कि वे बेटी वंदना के साथ अपने हर कार्य की शुरुआत करें। तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार माता सीता की जन्मस्थली है। बिहार बेटियों, माताओं और महिलाओं का सम्मान करने वाली पवित्र धरती है। हमारे संस्कारों और व्यवहार में मातृ-शक्ति का परम महत्व है जिसकी झलक हमारे कार्यों में दिखती है। बेटी वंदना हमारे बिहार की समृद्ध संस्कृति को आगे बढ़ाने की प्रेरणा देगी और भटके हुए बीजेपी नेताओं को सही मार्ग पर लाने में मदद करेगी। तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में लोकसभा चुनाव 2024 के लिए बीजेपी ने एक भी महिला उम्मीदवार नहीं बनाया है जिससे यह साफ हो गया है कि वे महिला-विरोधी हैं। हमने पहले ही कहा था कि उनका महिला आरक्षण बिल एक ढोंग था। बिहार की पहचान बीजेपी नहीं है और बिहार ओछे बयानबाजी करने वालों की धरती नहीं है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एम्पायर शॉपिंग की अधिकांश दुकानें सील

अग्निशमन विभाग ने सूरत में अग्नि नियमों का उल्लंघन करने पर सील

हेमचंद्राई गुरुकुल स्कूल और दो शॉपिंग सेंटर

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में फायर उपकरण रखने और उसकी एनओसी लेने में कोताही बरतने के आरोप में मनपा ने वेसू के एक स्कूल को सील कर दिया। इसके साथ ही लिंबायत क्षेत्र में दो शॉपिंग सेंटर सील कर दिए गए। गौरतलब है कि नोटिस देने के बावजूद भी आग को फैलने से रोकने के लिए कदम नहीं उठाए गए.

नियमों का पालन नहीं करने पर मनपा करेगी कार्रवाई जानकारी के मुताबिक, कुछ दिन पहले सूरत नगर निगम ने शहर भर के २००० से ज्यादा संपत्ति मालिकों से फायर उपकरण लगाने और अगर उपकरण पुराने हैं तो लगवाने का आग्रह किया था. फायर एनओसी जांचने के बाद दी जाएगी। बाद में मनपा ने इस नियम का पालन नहीं करने वालों के खिलाफ कार्रवाई शुरूकी.

निकास की व्यवस्था करने के लिए तत्पर,अग्निशमन विभाग ने वेसु में अगम आर्केड में हेमचंद्रई गुरुकुल संस्कृत पाठशाला को सील कर दिया। आग लगने के कारण पहले दो बार स्कूल अधिकारियों से आपातकालीन निकास की व्यवस्था करने का आग्रह किया गया था, लेकिन स्कूल अधिकारियों द्वारा इस पर ध्यान नहीं दिए जाने के बाद स्कूल को सील कर दिया गया था। लिंबायत क्षेत्र के दो शॉपिंग सेंटरों के साथ एम्पायर शॉपिंग सेंटर की अधिकांश दुकानें सील कर दी गईं। देवत रोड स्थित माधव शॉपिंग सेंटर की सभी दुकानें सील कर दी गईं। इसके साथ ही अग्निशमन विभाग द्वारा महाराणा प्रताप चौक स्थित राज एम्पायर शॉपिंग सेंटर की अधिकांश दुकानों को सील कर दिया गया.

उदासीन रवैया खतरनाक है। गौरतलब है कि इससे पहले भी सूरत नगर निगम का अग्निशमन विभाग कई बार अग्नि सुरक्षा उपकरणों पर जोर देकर कार्रवाई कर चुका है। कई संस्थाओं को सील भी कर दिया गया. हालाँकि, अभी भी देखा गया है कि कई संगठन अग्नि सुरक्षा नियमों के प्रति ढीला रवैया अपनाते हैं जो खतरनाक है।

सूरत रेलवे स्टेशन से २० पार्सल में करीब १६०० किलो संदिग्ध मांस जब्त

मुंबई से भेजा गया था मांस,FSL रिपोर्ट के बाद होगी कार्रवाई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत रेलवे स्टेशन के पार्सल ऑफिस में करीब १६०० किलो संदिग्ध जानवर का मांस मिला है. अलग-अलग २० पार्सल में जानवरों का मांस होने की सूचना मिलने पर रेलवे पुलिस ने तुरंत मांस को जब्त कर लिया है और सैंपल लेकर जांच के लिए एफएसएल को भेज दिया है. रिपोर्ट मिलने के बाद रेलवे पुलिस आगे की कार्रवाई करेगी. पता चला है कि संदिग्ध मांस मुंबई से भेजा गया था.

प्लेटफॉर्म पर उतारे गए थे करीब २० पार्सल जानकारी के मुताबिक,२७ मार्च को कर्णावती एक्सप्रेस हमेशा की तरह सूरत रेलवे स्टेशन पर पहुंची. इस ट्रेन में मुंबई सेंटर से कुछ पार्सल ट्रांसपोर्ट किए गए थे. साथ ही यह पार्सल सूरत रेलवे स्टेशन के लिए बुक किया गया था. ऐसे में सूरत आने वाली कर्णावती ट्रेन के प्लेटफॉर्म पर करीब २० पार्सल उतारे गए. पता चला कि इस वक्तप्लेटफॉर्म पर कॉमर्शियल इंस्पेक्टर गणेश जाधव और डिप्टी कॉमर्शियल इंस्पेक्टर आनंद शर्मा के पास १६०० किलो मांस मौजूद था. जब उन्हें पता चला कि पार्सल में कोई संदिग्ध वस्तु है तो वे तुरंत सभी पार्सल कार्यालय ले गए और प्रारंभिक जांच की। पार्सल की तलाशी लेने पर पता चला कि उसमें संदिग्ध जानवर का मांस है और उन्होंने तुरंत इसकी सूचना रेलवे पुलिस को दी. रेलवे पुलिस ने सभी २० पार्सलों की तलाशी ली और उनमें मांस होने पर उन्हें जब्त कर लिया। इस बीच, २० पार्सल में लगभग १६०० किलोग्राम मांस पाया गया है। इसे सूरत के अय्यूब और रसूल के नाम पर बुक किया गया था.उधर, रेलवे पुलिस ने मांस के नमूने लेकर जांच के लिए एफएसएल को भेज दिया है. अब एफएसएल रिपोर्ट आने के बाद तथ्य सामने आएगा। साथ ही उसके बाद रेलवे पुलिस आगे की कार्रवाई करेगी. फिलहाल मांस को रेलवे पुलिस के कब्जे में रखा गया है. यह मांस मुंबई से दिलावर नाम के व्यक्तिने भेजा था, जिसे सूरत के अयूब और रसूल के नाम से बुक किया गया था।

पार्सल के माध्यम से पहली बार आया मांस आमतौर पर रेलवे पार्सल में जमा हुआ खाद्य पदार्थ होता है। मछली जैसे खाद्य पदार्थ विशेष रूप से आते हैं। ये फ्रोजन आइटम भी कभी मुंबई से नहीं आए, लेकिन पहली बार मुंबई से संदिग्ध जानवर का मांस रेलवे पार्सल के जरिए सूरत भेजा गया है. जब रेलवे पुलिस को संदिग्ध मांस के बारे में पता चला तो उन्होंने तुरंत मांस को जब्त कर लिया और जांच की.

सूरत से एक और डुप्लीकेट मार्कशीट घोटाले का भंडाफोड़

१.३० लाख मार्कशीट के साथ दो यूके और कनाडा पहुंचे

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत से एक के बाद एक डुप्लीकेट आइटम के घोटाले सामने आ रहे हैं। खाने से लेकर यूनिवर्सिटी की डुप्लीकेट मार्कशीट, बोर्ड मार्कशीट भी डुप्लीकेट में बिकती पाई गई हैं। इस मार्कशीट के आधार पर दो आरोपियों के यूके और कनाडा जाने की बात सामने आई है। उतरांव पुलिस ने डुप्लीकेट मार्कशीट के मामले में ६ आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है और तीन को गिरफ्तार कर आगे की जांच कर रही है।

यह फर्जी मार्कशीट घोटाला मोटा वराछा और सरथाणा जकातनाका इलाके में चल रहा था। लैंडिंग डी मार्ट रोड पर ग्रीन प्लाजा में तेजानी टूरिज्म कार्यालय में फर्जी मार्कशीट का गोरखधंधा चल रहा था। अब तक यह बात सामने आ जानकारी मिली है।

अतरन पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और आगे की जांच कर रही है. पुलिस की प्रारंभिक जांच में यह तथ्य सामने आया है कि आरोपी प्रति मार्कशीट १,००,००० से १,३०,०००

चुकी है कि सैकड़ों लोगों को फर्जी मार्कशीट दी गई है। इस मामले में अथारन पुलिस ने नीलकंठ देवानी, विशाल तेजानी, संजय गेलानी के साथ ही बोनी ताला, वैभव ताला और ध्रुविन कोठिया के खिलाफ शिकायत दर्ज की है. इनमें नीलकंठ और बोनी ताला दोनों के विदेश में होने की

रुपये तक वसूल रहे थे। गुजरात और महाराष्ट्र बोर्ड की डुप्लीकेट फर्जी मार्कशीट बनाई जा रही थीं। अनुसूचित जनजाति। १० और एसटीडी. १२ बोर्ड की फर्जी मार्कशीट बनाई गईं। जिन छह आरोपियों पर आरोप लगाए गए हैं उनमें से दो आरोपी अब यूके और कनाडा के हैं।

सूरत में लापरवाही की हद पार करने वाला नजारा, छोटे बच्चे को दे दी बाइक की स्टीयरिंग

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के नानपुरा इलाके में एक शख्स का छोटे बच्चे के साथ बाइक चलाते हुए वीडियो वायरल हो रहा है. बाइक पर पीछे एक शख्स बैठा है. इसके सामने एक छोटा बच्चा बैठा है और बच्चे के दोनों हाथ स्टीयरिंग व्हील पर हैं. यह वीडियो इस समय सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है.

सूरत शहर में अक्सर लोगों के बाइक पर स्टंट करने या छोटे बच्चों को बाइक चलाने के वीडियो वायरल होते रहते हैं। फिर कथित तौर पर नानपुरा इलाके का एक और वीडियो सामने आया है. जिसमें पीछे बैठा शख्स आराम से अपने दोनों हाथ नीचे रखकर बैठा हुआ है. सामने बैठा छोटा बच्चा इस बाइक को चला रहा है.

इस बाइक को खतरनाक तरीके से चलाने वाले एक बच्चे का वीडियो एक जागरूक नागरिक ने लिया है. जिसमें साफ दिख रहा है कि ये शख्स शांति से बैठा हुआ है. एक बच्चा बाइक चला रहा है. नानपुरा टीएंडटीवी इलाके का वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है. जिसके आधार पर पूर्व की कार्रवाई के अनुरूप कार्रवाई करने की मांग की गयी है.